न्यूज़लेटर

नवम्बर 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर
विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय

कुलसचिव (प्र.)

संपादक

डॉ. विवेक जायसवाल

जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य

डॉ. हेमंत पाटीदार
डॉ. आशुतोष
डॉ. शालिनी चोइथरानी
डॉ. संजय शर्मा
माधव चंद्रा

पेंशन धारकों के लिए शुरू हुई डिजिटल सुविधा, ऐप से जमा कर सकेंगे जीवन प्रमाण-पत्र

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के समस्त पेंशनधारकों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने हेतु डिजिटल सुविधा प्रारंभ की गई है. अब

विश्वविद्यालय से पेंशन प्राप्त करने वाले सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी अपना जीवन प्रमाण (लाईफ सर्टिफिकेट) डिजिटल रूप से भी जमा कर सकते हैं. इसके लिए भौतिक रूप से किसी कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं रहेगी. इससे पहले प्रत्येक माह में सभी पेंशनधारकों को फॉर्म भरकर बैंक के माध्यम से प्रमाणीकृत कराना होता था तथा प्रमाणित फॉर्म को कार्यालय में जमा करना होता था. विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी पेंशन प्राप्तकर्ता एनआईसी के जीवन प्रमाण ऐप से डिजिटल रूप से विश्वविद्यालय को भेज सकते हैं. यह ऐप आधार से लिंक होगा. यह ऐप मोबाइल पर भी इंस्टाल कर सकते हैं अथवा जीवन प्रमाण की वेबसाईट jeevanpramaan.gov.in पर लॉग इन सीधे जाकर अपना प्रमाण पत्र भेज सकते हैं. अधिक जानकारी अथवा इस सम्बन्ध में किसी समस्या निराकरण के लिए पेंशन शाखा के साकेत दुबे के मोबाईल नम्बर-9806682105 पर संपर्क कर सकते हैं. इस सुविधा के शुरू किये जाने पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कार्यों को लगातार डिजिटलाइज किया जा रहा है. प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों की सुगमता, प्रवेश, परीक्षा, डिग्री, अवकाश एवं अन्य सभी गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से संपादित किया जा रहा है. जीवन प्रमाण ऐप जैसी सुविधा से दूर-दराज में रहने वाले, स्वास्थ्य कारणों से भौतिक रूप से न पहुँच पाने वाले पेंशनधारकों को काफी सुविधा होगी.

पत्रकारिता विभाग के शोधार्थी दीपक को मिली यूजीसी की जूनियर रिसर्च फेलोशिप

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के शोधार्थी दीपक कुमार को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है. विभाग के शोधार्थी दीपक ने जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय में यूजीसी-जेआरएफ जून 2024 की परीक्षा उत्तीर्ण की है जो सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता एवं पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान करती है. शोधार्थी दीपक विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विवेक जायसवाल के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस सफलता पर बधाई देते

हुए कहा कि पत्रकारिता विभाग को काफी उपलब्धियां मिल रही हैं. विभाग के प्रयासों से इसी वर्ष से नियमित स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हुआ है जिसमें पहली ही काउंसिलिंग में सभी सीटों पर प्रवेश हो गये. भविष्य में आने वाले छात्र इस सफलता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में यूजीसी नेट/जेआरएफ जैसी परीक्षाओं में सफल होंगे. विभागाध्यक्ष प्रो. कालीनाथ झा, डॉ अलीम अहमद खान, डॉ विवेक जायसवाल एवं विभाग के सभी शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामानाएं दीं.

विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वालों में 25 राज्यों के विद्यार्थी, 74.80 प्रतिशत विद्यार्थी मध्यप्रदेश के

प्रवेश लेने वालों में 45 प्रतिशत छात्राएं, प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ा

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर सत्र 2024-25 में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में देश के 25 राज्यों के 3684 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है इसमें से सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है. आंकड़ों के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों में से मध्यप्रदेश के 2756 विद्यार्थी हैं. टॉप फाइव राज्य में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, उड़ीसा, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ राज्य हैं. गौर करने वाली बात यह है कि इन पाठ्यक्रमों में 45 प्रतिशत छात्राओं का प्रवेश हुआ है. पिछले वर्ष 44 प्रतिशत छात्राओं ने प्रवेश लिया था. पिछले वर्ष कुल 3022 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था जो इस वर्ष बढ़कर 3684 हो गई है. इसके आलावा कम्युनिटी कॉलेज द्वारा अग्नीवीरों के लिए संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 450 अग्नीवीरों ने प्रवेश लिया है.

एकीकृत एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ा

विश्वविद्यालय में संचालित एकीकृत बीए-बी.एड, बीएससी-बी.एड. और बीए-एलएलबी पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान काफी बढ़ा है. इसके अलावा अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए, बीएफ़ए की तरफ भी विद्यार्थियों की रूचि बढ़ी है. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने ज्यादा रूचि दिखाई है. इनमें 60-60 सीटों पर क्रमशः 58 एवं 54 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है. आइटेप प्रोग्राम के तहत संचालित एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है.

बी-फार्मा, एमएससी फोरेंसिक साइंस, एलएलबी, एलएलएम पाठ्यक्रमों की सभी सीटें भरीं

प्रवेश प्रकोष्ठ से प्राप्त जानकारी के अनुसार बी-फार्मा, एमएससी फोरेंसिक साइंस, एलएलबी, एलएलएम पाठ्यक्रमों की सभी सीटें भर गई हैं. इसके अलावा अप्लाइड जियोलोजी, बॉटनी, भौतिक शास्त्र, रसायन विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, अपराध शास्त्र, एमलिब, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, संगीत जैसे विषयों में भी रिकॉर्ड सीटों पर प्रवेश हुआ है.

स्नातक एवं परास्नातक के पारंपरिक पाठ्यक्रमों में भी गत वर्षों की तुलना में ज्यादा प्रवेश

विश्वविद्यालय में संचालित पारंपरिक पाठ्यक्रमों में भी पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सीटें भरी हैं. बीए, बीएससी के दोनों समूहों, बीकॉम के अलावा हिंदी, राजनीतिशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, भौतिकी, जंतुविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान के पीजी पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश की स्थिति काफी अच्छी है.

नवीन पाठ्यक्रमों में भी सकारात्मक रुझान, पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में सबसे ज्यादा प्रवेश

सत्र 2024-25 से एमए (भारतीय ज्ञान प्रणाली), बीए (पत्रकारिता और जनसंचार), बीपीए (हिंदुस्तानी गायन संगीत), बीपीए (तबला वादन), श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा, थिएटर संगीत में प्रमाणपत्र, शास्त्रीय नृत्य में प्रमाणपत्र (कथक) जैसे पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गए हैं. विद्यार्थियों ने अच्छी संख्या में प्रवेश लिया है. पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में 30 में से 29 सीट पर अंतिम रूप से प्रवेश हुआ.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय तेजी से प्रगति कर रहा है. अधोसंरचना विकास के साथ-साथ प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है. आंकड़े यह बताते हैं कि सबसे ज्यादा विद्यार्थी मध्य प्रदेश और विश्वविद्यालय के आस-पास के अंचलों से हैं. 'यूनिटी इन डायवर्सिटी' की संकल्पना को विश्वविद्यालय साकार कर रहा है. देश के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थी यहाँ अध्ययन एवं शोध के लिए आ रहे हैं. विभिन्न क्षेत्रों और भाषा-भाषी विद्यार्थी एक सामासिक संस्कृति का निर्माण करेंगे. छात्राओं की संख्या में बढ़ोत्तरी शिक्षा में उनकी रूचि के साथ-साथ उनकी सशक्त स्थिति को दर्शाता है. यह समाज के लिए शुभ संकेत है. डॉ. गौर का भी यही सपना था. विश्वविद्यालय में अकादमिक और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की दिशा में तेजी से काम हो रहा है. हम डॉ. गौर के दिखाए रास्ते पर चलते हुए विश्वविद्यालय को और आगे ले जायेंगे.

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षा शास्त्र विभाग डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय पथरिया जाट में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2024 का आयोजन किया गया. जिसके तहत गाँव के लोगों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक किया गया. विश्वविद्यालय के छात्रों ने सर्वप्रथम पथरिया जाट गांव में भ्रष्टाचार के विरुद्ध नारे लगाते हुए एक रैली निकाली. कार्यक्रम के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार जैन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने की बात की और कहा कि हमे यह संकल्प लेना होगा की न भ्रष्टाचार करेंगे और न होने देंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रजत मिंज जी ने की. इन्होंने भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्यार्थियों को जागरूक करने पर बल दिया.

कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्र मयंक व लक्ष्मी ने अपना गीत प्रस्तुत किया. उसके पश्चात अंशिका चौरसिया ने कठपुतली के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्रों ने भ्रष्टाचार जागरूकता के संबंध में बहुत ही सुंदर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. छात्रों को भ्रष्टाचार के विरोध में भ्रष्टाचार न करने की संबंध में शपथ भी दिलाई. मुख्य अतिथि के वक्तव्य में

प्रो. जैन ने बच्चों को समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण होने वाली हानियों के बारे में बताया और भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं देने की बात की. धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. योगेश कुमार पाल एवं डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव तथा मंच संचालन डॉक्टर नवीन सिंह ने किया. कार्यक्रम में इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार जैन तथा

शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ. रश्मि जैन, डॉ. धर्मेंद्र कुमार सर्राफ, डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति, डॉ. योगेश कुमार पाल, डॉ. रमाकांत, डॉ. शिव शंकर यादव तथा समस्त विभागीय शोधार्थी और विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के 108 छात्रों ने पास की नेट परीक्षा, 22 को जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी मिली, कुलपति ने दी बधाई

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विभिन्न विभागों के 108 विद्यार्थियों ने सीएसआईआर और यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है. इनमें से 22 छात्र-छात्राओं को जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए भी पात्रता मिली है. ये सभी विद्यार्थी 2024 की अद्यतन आयोजित हुई परीक्षा में सफल हुए हैं. गौरतलब है कि नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता मिलती है. जेआरएफ में सफल विद्यार्थियों को पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान की जाती है. विश्वविद्यालय के एप्लाइड जियोलॉजी में चार छात्रों को नेट के साथ-साथ जेआरएफ में सफलता मिली है तथा 01 छात्र ने नेट उत्तीर्ण किया है. वहीं गणित में 02, रसायनशास्त्र में 02, बायोटेक्नोलॉजी में 02, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन

05 छात्र को लेक्चरशिप की पात्रता परीक्षा में सफल हुए हैं. विश्वविद्यालय के न्यायिक विज्ञान एवं अपराधशास्त्र 14, इतिहास 5, प्राचीन इतिहास में 02, एप्लाइड जियोग्राफी में 4, लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस में 8, हिंदी में 9, संस्कृत में 5, अंग्रेजी में 10, वाणिज्य में 11, अर्थशास्त्र में 01, राजनीतिशास्त्र में 4, संचार एवं पत्रकारिता में 01, समाजशास्त्र में 3, शिक्षाशास्त्र में 13, संगीत में 01, योग विज्ञान में 01 सहित 92 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है जिनमें से 18 छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली है.

विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को आमंत्रित कर शुभकामनाएं एवं बधाई दी. उन्होंने कहा कि इसी तरह आप अपने जीवन के हर परीक्षा में सफल हों और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें. आप सभी की सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य छात्र भी प्रेरित होंगे. आने वाले दिनों में और अधिक संख्या में विद्यार्थी यूजीसी नेट/जेआरएफ, यूपीएससी और अन्य परीक्षाओं में सफल होंगे. इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित किया गया. इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे.

नेट परीक्षा के स्कोर के आधार पर इस वर्ष से होगा पीएचडी में प्रवेश

यूजीसी द्वारा जारी नए नियमावली के अनुसार जो विद्यार्थी नेट की परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं उनमें प्राप्त स्कोर के आधार पर वे विश्वविद्यालय के पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे. इसके लिए उन्हें अब किसी प्रवेश परीक्षा में नहीं भाग लेना होगा.

भूगर्भ शास्त्र के 36 विद्यार्थियों को मिली यूपीएससी की परीक्षा में सफलता

विश्वविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र के 28 विद्यार्थियों को इस वर्ष यूपीएससी की परीक्षा में सफलता मिली है. 28 छात्रों ने ग्रुप ए तथा 8 छात्रों ने ग्रुप बी की परीक्षाओं में सफलता दर्ज की है.

अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी के प्रथम दिन यज्ञमय हुआ विश्वविद्यालय परिसर

वर्तमान में प्रचलित सभी विज्ञानों के मूल स्रोत वेद ही हैं- प्रो राजेश्वर मिश्र

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'वैदिक वाङ्मय में विज्ञान' विषय पर त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आरंभ विश्वविद्यालय के

अभिमंच सभागार में उद्घाटन सत्र से हुआ. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता व मुख्य अतिथि प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, तिरुपति के कुलपति उपस्थित रहे. संगोष्ठी को यज्ञीय अनुष्ठान से विधिपूर्वक प्रारंभ किया गया. तत्पश्चात् मुख्य एवं सम्मानीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित, माँ सरस्वती की आराधना और गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया.

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञानपरम्परा वेदों के बिना पूर्ण नहीं हो सकती. वेद विज्ञान से संबंधित विषय आयुर्वेद, ज्योतिष, जन्तुविज्ञान के

वर्गीकरण, मत्स्यपालन, मधुमक्खीपालन आदि कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त कर भारतीय सभ्यता व संस्कृति से छात्र- छात्राओं को अवगत कराया. उन्होंने नवम्बर माह को गौर पर्व का माह बताया. मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश के कुलपति प्रो. जी. एस.आर. कृष्णमूर्ति ने वैदिक परम्परा पर विचार-विमर्श करते हुए वैदिक परम्परा से होने वाले लाभ के बारे में बताया. वेद में प्रतिपादित सिद्धांतों के द्वारा आयु वृद्धि का उपाय एवं भारतीय समाज में एकता बनाए रखने की बात की. स्वागत भाषण संगोष्ठी के निदेशक व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने वेदों में विज्ञान विषय पर

प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी ज्ञान वेदों में परिलक्षित होता है. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. राजशेखर मिश्र ने अपने बीज़ वक्तव्य के उद्बोधन में वेदों में विज्ञान संबंधित सभी विषयों पर अत्यंत ही सारगर्भित रूप में विचार प्रकट करते हुए बताया कि अनुभवजन्य ज्ञान ही विज्ञान है, जिसमें वेद संबंधित महत्त्वपूर्ण मंत्रों का सन्दर्भ सहित उल्लेख किए. उन्होंने वेदों में वृष्टि विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोलीय विज्ञान, सृष्टि विज्ञान, आयुर्वेद सहित

वर्तमान में प्रचलित सभी विज्ञानों के मूल स्रोत वेद ही हैं. विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रो. अमलधारी सिंह ने वेद की सार्थकता पर चर्चा करते हुए कहा - वेदो रक्षति रक्षतः। वेद संस्कृति के कोषागार के रूप में विद्यमान है. वेदज्ञान के बिना ज्ञान सुबोध नहीं हो सकता. विशिष्ट अतिथि प्रो. गणेशीलाल सुथार (जयनारायण विश्वविद्यालय, जोधपुर) ने वेद ज्ञान की उपादेयता पर विचार व्यक्त किए. जिसमें अनेकता से एकता की ओर पथ पर चलने को कहा गया.

प्रथम विद्वत् सत्र में वक्ता डॉ राघवेन्द्र शर्मा ने त्रिकाल संध्या का वैज्ञानिक चिंतन पर अपनी बातें रखी. डॉ धनञ्जयमणि त्रिपाठी ने मन के मनोवैज्ञानिक पक्षों पर अपनी विचार व्यक्त किए. डॉ नीरज शर्मा ने पर्यावरण विज्ञान पर विचार व्यक्त किए. अध्यक्षता डॉ मिश्रीलाल, वाराणसी ने की. डॉ सत्यकेतु, डॉ सत्येन्द्र कुमार यादव, डॉ भावप्रकाश गांधी, डॉ संतप्रकाश तिवारी, डॉ सुधा श्रीवास्तव, डॉ दीपक तिवारी ने भी शोध पत्रों का वाचन किया. संचालन डॉ संदीप यादव ने तथा अध्यक्षता डॉ हनुमान मिश्र, दिल्ली ने की. संगोष्ठी के प्रथम दिन शोधार्थियों ने वेदों में विज्ञान संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए. सरस्वती वंदना में शिक्षा, ऋचा, आरजू, सुरभि, अर्पिता ने वैदिक मंगलाचरण में दीपेश, शैलेश, पवन, राजा, सुधांशु एवं स्वागत गीत में आरजू ने प्रतिभागिता की.

संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. उद्घाटन सत्र में ही अतिथियों द्वारा नाट्यम्- कालिदास विशेषांक व सागरिका पत्रिका वेद विशेषांक एवं संस्कृते विश्वं पुस्तक, अमलधारीसिंह कृत वेद कल्पवृक्ष: एक परिचय पुस्तको का विमोचन किया गया. संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का सञ्चालन संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ नौनिहाल गौतम एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सञ्जय कुमार ने किया.

कला, संस्कृति और शौर्य के समन्वय के साथ शुरू होगा गौर संग्रहालय- कुलपति

विश्वविद्यालय के पथरिया स्थित वैली कैम्पस में बनाया जा रहा है संग्रहालय

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है. इस सम्बन्ध में

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्त्वपूर्ण बैठक कुलपति सभाकक्ष में आयोजित की गई जिसमें संग्रहालय के यथाशीघ्र संचालन की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश दिए गये.

बैठक में कुलपति ने विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाले संग्रहालय की वृहद् कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुये कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक ऐसे संग्रहालय को स्थापित करना है जो शौर्य, संस्कृति और कला का अद्भुत केंद्र बने.

इसके लिए चरणबद्ध तरीके से संग्रहालय की शुरुआत की जायेगी. संग्रहालय का निर्माण विश्वविद्यालय के प्राथमिक कार्यों में है और हमारा प्रयास है कि गौर जयंती के अवसर पर डॉ. गौर संग्रहालय की शुरुआत कर सकें. विश्वविद्यालय युद्धस्तर पर संग्रहालय संचालन समिति के सदस्यों ने विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. प्रथम चरण में डॉ. हरीसिंह गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया जाएगा. इसी के साथ ही एनसीसी से सम्बंधित विभिन्न जानकारियाँ एवं सामग्री प्रदर्शित की जायेगी. सागर एवं बुंदेलखंड का इतिहास, भारत की आजादी में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए हमारे जननायकों की गाथाओं को भी इस संग्रहालय में स्थान दिया जाएगा. आगामी चरण में भारतीय थल सेना, जल सेना एवं नभ सेना के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई सामग्री भी प्रदर्शनी के लिए रखी जायेंगी. भारतीय वीर जवानों के शौर्य एवं बलिदान को प्रदर्शित करते हुए कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा जिसमें सागर, बुंदेलखंड एवं मध्य प्रदेश के बलिदानी वीर जवानों की स्मृति को भी सहेजा जाएगा. जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया जाएगा. इसके साथ ही बुंदेलखंड की लोक कला, संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, देशज परंपरा से सम्बंधित जानकारी एवं सामग्री भी प्रदर्शित की जायेगी.

पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार महार रेजीमेंट एवं भारतीय सेना के विभिन्न शाखाओं के सहयोग से संग्रहालय में प्रदर्शनी हेतु टैंक, एयरक्राफ्ट एवं सेना के जहाज एवं अन्य सैन्य सामग्री भी प्रदर्शनी के लिए रखी जायेगी. संग्रहालय में देश की रक्षा में तत्पर तीनों विंग की संरचना एवं रैंक की जानकारी प्रदर्शित की जायेगी. देश की रक्षा के लिए मिलने वाले विभिन्न अवार्ड एवं पदकों की जानकारी के प्रदर्शन के साथ भारतीय सेना की विभिन्न इकाईयों में रोजगार के अवसरों के बारे में भी जानकारी प्रदर्शित की जायेगी. परमवीर चक्र, अशोक चक्र एवं अन्य वीरता पदकों की रिप्लिका भी लगाई जायेंगी जिससे युवाओं को अपनी सेना के बारे में पूरी जानकारी मिल सकें और देश सेवा के लिए प्रेरणा एवं ऊर्जा मिल सके. बैठक में संग्रहालय की समन्वयक प्रो. श्वेता यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. बी.के. श्रीवास्तव, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. सुमन पटेल उपस्थित रहे.

श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नदी कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रो. एस. आर. बसु मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नदियों पर किए गए उनके शोध एवं अध्ययन एवं इस क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए श्रीलंका के साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रो. एस. आर. बसु मेमोरियल लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया. यह सम्मान केलानिया विश्वविद्यालय श्रीलंका में डा. सत्यांजल पांडे, डिप्टी हाई

कमीशनर, हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन श्री लंका प्रो. प्रशांथी नारनगोडा, डायरेक्टर तथा अध्यक्ष, कांउसिल ऑफ मेनेजमेंट एनसीएएस शिक्षा मंत्रालय, श्रीलंका कुलपति प्रो. नीलांथी रेनुका डि सिलवा तथा डा. बिस्वजीत राय चैधरी, अध्यक्ष साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रदान किया गया. इस अवसर पर दक्षिण एशियाई देशों के विभिन्न प्रतिनिधि, केलानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों के निदेशक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो कि प्रो. नीलिमा गुप्ता एक विश्व विख्यात वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लूएफ, एनजीटी को अपने बहुमूल्य शोध परिणामों को उपलब्ध करवाया और भारत सरकार यूजीसी, आईएनएसए, डीएसटी, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा राज्य सरकार (उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा स्वीकृत कई परियोजनाएं सफलतापूर्वक संचालित कीं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें **सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस** भी स्वीकृत हुआ जिससे उन्होंने जल प्रदूषण तथा मत्स्य स्वास्थ्य पर उच्च कोटि की प्रयोगशाला स्थापित की। मछली में पाए जाने वाले परजीवियों पर शोध करके 51 नई स्पीसीज (प्रजातियों) की खोज के लिए पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्गीकरण के सर्वोच्च **सम्मान ईके जानकी अम्मल राष्ट्रीय अवार्ड** से सम्मानित किया गया. 80 से अधिक सम्मानों से विभूषित, मध्य प्रदेश की पहली महिला मानद कर्नल कमांडेंट, बी डब्ल्यू एजुकेशन द्वारा भारत की शीर्ष 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न आदि अनेक सम्मानों से विभूषित प्रो. नीलिमा गुप्ता उच्च कोटि की वैज्ञानिक हैं। एक ओर जहाँ उन्होंने उत्कृष्ट शोध कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर, समाज से जुड़कर किसानों को लाभान्वित भी किया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में सम्मिलित हैं तथा रिर्सच गेट द्वारा 'लिनेनियन टैक्सोनोमी पर सबसे अधिक पढ़े गए (1,123) शोध आइटम' संदर्भित किए गए हैं.

मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक है बढ़ते जल प्रदूषण का समन्वित प्रबंधन - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट-सेंटर फॉर रिवर अफेयर्स के आमंत्रण पर श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में 8-9 नवंबर 2024 को आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय रिवर कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्तव्य दिया.

उन्होंने नदी प्रदूषण आर्थिक स्थिरता के लिए जलीय जीव स्वास्थ्य को बनाए रखने के कारण और नियंत्रण

विषय पर मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि भारत में गंगा नदी का स्थान लोगों के जीवन में सदियों से पवित्र नदी के रूप में रहा है. हमारे पूर्वज पहले नदी का जल ग्रहण करते थे, फिर उनका स्थान कुओं ने लिया, फिर हम नल का उपयोग करने लगे और आज हम पीने के लिए बोतल बंद पानी इस्तेमाल करते हैं. पीढ़ी दर पीढ़ी यह परिवर्तन हमें स्वच्छ जल के भविष्य के प्रति कई गहरे संकेत करता है.

उन्होंने भारत में नदियों की व्यवस्था को स्पष्ट करते हुए इंडस बेसिन, गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना बेसिन और कावेरी, कृष्णा, गोदावरी सहित अन्य बेसिनों एवं इसके परिक्षेत्र, इनकी सहायक नदियों, इनके महत्व और इन जल स्रोतों के समक्ष आ रही चुनौतियों को रेखांकित करते हुए विस्तारपूर्वक चर्चा की. उन्होंने नदियों में पाए जाने वाले जलीय जीवों विशेष रूप से मछलियों एवं अकशेरुकी प्राणियों की भी चर्चा की। उन्होंने जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में नदियों के महत्व, भूमिका और योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि नदियां विविध जलीय जीव प्रजातियों को न केवल आवास प्रदान करती हैं

बल्कि खनिज और पोषक तत्वों की आपूर्ति को बनाए रखने में, बाढ़ के क्षेत्रों और आर्द्र भूमि के जलस्तर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। नदियों की पारिस्थितिकी जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक कचरे, कृषि में उपयोग किए जाने वाले उर्वरक, कीटनाशक, शहरी इलाकों से निकलने वाले दूषित जल, प्लास्टिक और ठोस वर्ज्य पदार्थ आज भारत की नदियों के लिए खतरा बनी हुई हैं। उन्होंने विभिन्न कर्मकांडों, धार्मिक क्रिया कलापों, मूर्ति विसर्जन, शव विसर्जन जैसे उदाहरण देते हुए कहा कि जिस गंगा जल को हम पूजते हैं, पीने में उपयोग करते हैं क्या वह आज स्वस्थ, स्वच्छ और पवित्र बची रह गई है?

उपरोक्त तथ्यों एवं प्रश्नों के साथ उन्होंने जलीय जीवों विशेष रूप से मछलियों पर किए गए अपने शोध को प्रस्तुत किया। नदियों और जलीय जीवों पर यूजीसी, डीएसटी, एआईसीटीई, पर्यावरण और वन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद जैसी कई संस्थाओं द्वारा पोषित परियोजना कार्यों, उनकी प्रविधि और उनके निष्कर्षों पर उन्होंने विस्तारपूर्वक चर्चा की। जल प्रदूषण के विभिन्न कारकों, जलीय जीवों एवं जलीय वनस्पतियों पर होने वाले इसके दुष्प्रभावों, मछलियों के जीवन, उनकी शारीरिकी पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों, जैव विविधता के क्षरण, जल की गुणवत्ता में परिवर्तन, लुप्त होती मछलियों की प्रजातियों जैसे कई महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करते हुए उन्होंने भारत की नदियों की वास्तविक स्थिति को दर्शाया और कहा कि आज भारत की अधिकांश नदियां गहरे प्रदूषण से युक्त हैं। कई नदियों का जल बिल्कुल ही उपयोगी नहीं बचा है और आज हम पारिस्थितिकीय आपदा के दौर से गुजर रहे हैं। पिछले कई दशकों में गंगा नदी के प्रदूषण की की स्थितियों को बतलाते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाए गए नमामि गंगे जैसी परियोजनाओं, जल प्रदूषण से संबंधित विभिन्न कानूनों, जन जागरूकता, शहरी क्षेत्रों के प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए गए प्रबंधन जैसे सरकारी प्रयासों और प्रभावों का भी

उल्लेख किया. उन्होंने जल प्रदूषण की रोकथाम एवं जलीय जीवों के संरक्षण के लिए कई नवाचारी तकनीक, प्रविधियों, प्रबंधन और नियमन के तरीकों को भी बताया. नदी जल प्रदूषण से होने वाले आर्थिक खतरों जैसे मत्स्य पालन उद्योग पर संकट, जल आधारित उद्योग, हाइड्रो पावर, जल के कारण होने वाले स्वास्थ्य, कृषि इत्यादि पर होने वाले संकट को भी उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने स्वच्छ गंगा अभियान की कई क्रियात्मक गतिविधियों की चर्चा की. जलीय जीवों को होने वाले नुकसान, बढ़ते पारिस्थितिकीय असंतुलन और इसके खतरे के प्रति चलाए गए जन जागरूकता अभियानों का भी उन्होंने उल्लेख किया. अंत में उन्होंने नदियों को स्वच्छ रखने के सामूहिक और नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया.

हाई कमीशन से चर्चा: केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा श्रीलंकन विश्वविद्यालयों के बीच समझौते की पहल

अंतराष्ट्रीय कांग्रेस में श्री लंका में इंडियन हाई कमीशनर, डॉ. सत्यांजल पांडे से कुलपति की विस्तृत चर्चा के दौरान कुलपति ने डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को साझा किया तथा श्रीलंकन

विश्वविद्यालयों के साथ समझौते की पहल की। उन्होंने केलानिया विश्वविद्यालय तथा नागानंदा इंटरनेश्नल इंस्टिट्यूट फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के कुलपति/निदेशक से समझौते के बिन्दुओं पर चर्चा कर निकट भविष्य में विश्वविद्यालय के बीच समझौते का आश्वासन दिया। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों का भ्रमण कर निदेशक प्रो. रंगामिनी वेरावेट्टा तथा कुलपति प्रो. नीलांथी रेनुका डी सिलवा से विश्वविद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं के बारे में भी चर्चा की। भविष्य में केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा श्रीलंकन विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक तथा शोध समझौते के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा यूजीसी रेगुलेशन के आधार पर डुअल डिग्री प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम संचालित कर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को लाभ मिल सकेगा.

सृजनात्मक एवं उपयोगी कलाकृति निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कामधेनु अनुसंधान एवं अध्ययन केंद्र द्वारा आचार्य शंकर भवन में गाय के गोबर एवं मिट्टी के मिश्रण से सृजनात्मक एवं उपयोगी कलाकृतियों के निर्माण पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. उक्त कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के 72 छात्रों ने भाग लेकर कलाकृतियों के निर्माण की बारीकियों से अवगत होते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया. इस कार्यशाला में कामधेनु शोध एवं अध्ययन केंद्र के समन्वयक सहित बड़ी संख्या में फैकल्टी, शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित थे.

राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विषय पर हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) का राजभाषा प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक तिमाही में हिन्दी

कार्यशाला का आयोजन करता है। इस अनुक्रम में 14 नवम्बर, 2024 को आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार, हिन्दी विभाग में विश्वविद्यालय के अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों हेतु 'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन' विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. राजेन्द्र यादव ने प्रतिभागियों को राजभाषा की संकल्पना से अवगत कराते हुए बताया कि कार्यालयीन कामकाज में समुचित सम्प्रेषण के लिए सटीक शब्दों एवं सहज भाषा का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक पत्राचार, टिप्पण एवं आलेखन में शब्दों का चयन विशेष महत्व रखता है। एक सच्ची, सटीक व सकारात्मक टीप किसी भी मसले को सहजता से हल करने में सहायक हो सकती है। उन्होंने बताया कि अच्छे लेखन के लिए अभ्यास तथा निरंतर नए शब्द सीखते रहना नितांत आवश्यक है।

हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों तथा राजभाषा नियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आठवीं अनुसूची में दर्ज भारतीय भाषाओं सहित हिन्दी का विकास हम सब की प्राथमिकता में होना चाहिए। इससे न केवल कार्यालयीन कामकाज बल्कि हमारे दैनन्दिन जीवनचर्या में भी भाषायी समृद्धि सुनिश्चित हो सकेगी।

कार्यशाला की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पाल ने बताया कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कार्मिक होने के नाते हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना हमारी प्रशासनिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रतिभागियों

को राजभाषा की प्रगामी प्रगति की दिशा में विश्वविद्यालय में प्रवृत्त विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से अवगत कराते हुए सभी से अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आवाहन किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए राजभाषा नीति और प्रशासनिक शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

ध्यातव्य है कि अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों के लिए कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय माननीया कुलपति महोदया की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक में लिया गया था। समिति के सदस्य-सचिव संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि हिन्दी कार्यशालाएं कार्मिकों को हिन्दी में कार्यालयीन कामकाज करने के लिए प्रेरित करने, राजभाषा नियमों से अवगत कराने तथा राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं के निराकरण करने में महती भूमिका निभाती हैं।

कार्यशाला में रजनीश जैन, रोहित रघुवंशी, उमेश कुमार चढ़ार, डॉ. उदय श्रीवास्तव, अजब सिंह, प्रेमसागर गुजरे, मनोज कुमार कावड़े, विजय कुमार रजक, शेखर हेडाउ, जयप्रकाश, पवन कुमार कोरी, सतीश कुमार सरल एवं श्रीमती लक्ष्मी जाटव सहित 13 अनुभाग अधिकारियों एवं कार्यालय सहायकों ने प्रतिभागिता की। विशिष्ट उपस्थिति हिन्दी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय नैनवाड़, सहायक प्राध्यापक डॉ. अरविंद कुमार एवं ईएमएमआरसी, सागर के श्री माधव चंद्रा की रही कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा। आभार ज्ञापन अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन ने किया।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

200 से अधिक लोंगो ने कराया अपना स्वास्थ्य परीक्षण

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ. स्वास्थ्य शिविर संयोजक डॉक्टर अभिषेक कुमार जैन ने बताया कि शिविर में पलमोनरी फंक्शन टेस्ट यानी फेफड़ों की क्षमता जाचने का परीक्षण, बोन मिनिरल डेंसिटी बीएमडी अर्थात हड्डियों की गुणवत्ता की जांच आदि का परीक्षण अत्यधिक मशीनों से कराया गया. सामान्य परीक्षण के साथ-साथ ब्लड शुगर, बीएमआई कलर ब्लाइंडनेस, रक्तचाप आदि का परीक्षण भी किया जा रहे हैं. इसके साथ-साथ आगंतुकों को कैल्शियम और विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों के बारे में जागरूक किया जा रहा है.

कल स्वास्थ्य शिविर का अंतिम दिन है, जिसमें स्वच्छता विभाग, यंत्री विभाग, सुरक्षा विभाग, ईएमएमआरसी डिपार्टमेंट के स्थाई अधिकारी और कर्मचारी, महिला क्लब के सदस्य और सेवानिवृत शिक्षक और कर्मचारी स्वास्थ्य शिविर में इन परीक्षण का लाभ ले सकते हैं. कल शिविर में आगंतुकों को गुड सेमेरिटन कानून, जोकि दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने वालों को कानूनी सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है, के बारे में भी आगंतुकों को जागरूक किया जावेगा.

शिविर में डॉक्टर अभिषेक कुमार जैन, डॉ किरण एवं डॉ भूपेंद्र आदि द्वारा परीक्षण और परामर्श प्रदान किया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अरुण सरोठिया, जयप्रकाश, भगत सिंह, प्रमोद पटेल, वंदना कुर्मी, दुर्गेश चौबे, अर्जुन रैकवार, अरुण कुनसिया, विकास जैन, बृजेश दुबे पृहलाद, मुकुल अभय खटोल आदि के द्वारा शिविर संचालन में योगदान दिया जा रहा है. अभी तक शिविर में 18 लोगों को फेफड़े और श्वसन संबंधी रोग पाया गया है. 32 लोगों को मधुमेह 68 व्यक्तियों को ओस्टियोपेनिया और 16 लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस एवं 32 लोगों का बीएमआई सामान्य से अधिक आया है. प्रथम बार जांच करने पर 21 लोगों को उच्च रक्तचाप का पता चला है.

सत्यनिष्ठा एवं प्रसन्नता एक सिक्के के दो पहलूः प्रो. नीलिमा गुप्ता

कर्तव्य को सत्यनिष्ठा से सम्पादित करना ही सच्ची देशसेवाः श्री आलोक मिश्रा, विशिष्ट न्यायाधीश

सहकारिता एवं आशा परिस्थिति को परिवर्तित कर सकती हैः श्री विवेक के.वी. (आई.ए.एस.), सीईओ

केन्द्रीय सतर्कता आयोग भारत सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2024 का सप्ताहिक कार्यक्रम 08 से 13 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में दिनांक 13 नवम्बर 2024 को ग्राम सभा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की यशस्विनी कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. प्रो. गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहायता एवं सहकारिता के माध्यम से भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है. सत्यनिष्ठा एवं प्रसन्नता एक सिक्के के दो पहलू हैं. प्रसन्नचित नागरिक के निर्माण में सत्यनिष्ठा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), श्री आलोक मिश्रा ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सत्यनिष्ठा की संस्कृति को राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बताया. कर्तव्य को सत्यनिष्ठा से संपादित करना ही सच्ची देशसेवा है. इसी के साथ ही कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री विवेक के.वी. (आई.ए.एस.), सीईओ ने ग्रामीण विकास के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया. सहकारिता एवं आशा परिस्थिति को परिवर्तित कर सकती है. कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व नोडल अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया. पंच, सरपंच एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया एवं समूह के सदस्यों द्वारा जैविक उत्पादों के प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन में समन्वयक डॉ. नवीन सिंह, मंचसंचालिका डॉ. चिन्तन वर्मा एवं डॉ.अनूपी समैया, विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही. कार्यक्रम की संयोजक एवं विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रश्मि जैन के धन्यवाद ज्ञापन किया.

जनजातीय ज्ञान के बिना भारतीय ज्ञान अधूरा है: प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं जनजातीय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय समाज एवं संस्कृति में जनजातीय समाज की भूमिका को रेखांकित किया। एवं जनजातीय समाज की विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते हुए प्रतिनिधित्व को भी सराहा। उन्होंने कहा वर्तमान शिक्षा प्रणाली अर्थात् नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत जनजातीय कौशल, संस्कृति एवं जीवन शैली की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यदि हम आज 150 वर्ष बाद भी किसी महानायक की जयंती मना रहे है, उसके कार्यो को याद कर रहे है तो वह हमारे लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणा स्त्रोंत है। यदि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति को समझना है तो हमें जनजातीय ज्ञान दर्शन एवं परंपरा को समझना आवश्यक है। जनजातीय ज्ञान के बिना भारतीय ज्ञान दर्शन अधूरा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मानवशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने जनजातीयों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से लेकर वर्तमान परिदृष्य को रेखाकिंत किया, एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन एवं संघर्ष पर विश्लेषणात्मक विवेचना पर अपना पक्ष रखा। इसके अतिरिक्त वर्तमान की भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया गया।

विशिष्ट अतिथि प्रो, ए.डी. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा जनजातीय समस्याओं के लिए ग्रामीण एवं शहरी विकास के अंतर्गत होने वाले भेदभाव को रेखाकिंत किया गया। बढ़ते हुए नगरीकरण एवं भौतिक सुखों की आवश्यकता कहीं न कहीं जनजातीय शोषण का आधार बनती है, उन्होने इसके लिए तटस्थ शोध की महती आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो, दिवाकर सिंह राजपूत, अधिष्ठाता, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा जनजातीयों का अंग्रेजी शासन से संघर्ष एवं एकजुटता से सीख लेने एवं समानता एवं मौलिक अधिकारों को समाज एवं हर वर्ग के लिए आवश्यक बताया। अन्य अतिथि के रुप में जनजातीय क्षेत्रों में सेवारत समाज सेवी श्रीमति संध्या शाह एवं विश्वविद्यालय महिला समाज अध्यक्ष श्रीमति ओमिका सिंह ने भी कार्यक्रम में अपने विचार प्रस्तुत किए.

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. केशव टेकाम, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसके अंतर्गत उन्होने बताया की प्राचीन काल से विद्यमान जनजातीय जीवन शैली अर्थात् न्यूनतम संसाधनों का कुशलतम उपयोग से ही धारणीय विकास संभव है। जनजातीयों में अंतःनिहित संस्कृति एवं परंपरा सही मायने में प्रकृति पोषक है। इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 15 नंबवर को जनतातीय गौरव दिवस के रुप मनाए जाने का निर्णय लिया है साथ ही 15 नंबवर 2024 से लेकर 15 नबंवर 2025 तक इस वर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रुप में भी मनाया जाएगा.

कार्यक्रम के अंत में आभार डॉ. वीरेन्द्र मटसेनिया, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिया गया। मंच संचालन शोधार्थी आर्ची जैन एवं काजल सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. पी. गादेवार, वरिष्ठ प्रो.देवाशीष बोस, प्रो. उमेश पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, सुरक्षा अधिकारी, प्रो. राजेन्द्र यादव, उपकुलसचिव श्री सतीश कुमार, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. संजय शर्मा, डॉ. वीना थावरे, डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. राजीव, शोधार्थी, विधार्थी, एन.एस.एस./एन.सी.सी. आदि के छात्र उपस्थित रहे.

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वार्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के

साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है. सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है. पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके.

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं. सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा.

उन्होंने कहा कि गौर जयन्ती के दिन 'गौर पीठ' की स्थापना के लिए एक लाख रूपये या उससे अधिक दान करने वाले

दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा. उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की. इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए

बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के लगभग 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे. इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं.

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले

मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी. सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में की जायेगी. भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्धारित नियमों के तहत सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी जिनमें अधिकृत निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय किये जायेंगे. समस्त प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन स्थलों पर आयोजित होंगे।

कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया. इस अवसर पर सह समन्वयक प्रो.ऋतु यादव, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, समर्थ दीक्षित, प्रवीण राठौर तथा सागर शहर के सम्माननीय पत्रकार गण मौजूद रहे.

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकालीन सभा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु की प्रतिमा पर मालार्पण से किया गया. छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें बचपन पर आधारित कविता, नृत्य, भाषण आदि कार्यक्रम शामिल रहे जिसका संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री आनंद कुमार जैन ने

किया. तत्पश्चात प्राथमिक कक्षाओं के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया जिसका प्रारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेंद्र सिंह वर्मा एवं वरिष्ठ शिक्षिका अनीता डोंगरे ने हरी झंडी दिखा कर किया. खेलों में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे की नींबू दौड़, बोतल दौड़, रस्साकशी आदि खेल शामिल रहे जिसमें छात्र-छात्राओं ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं अपने सहपाठी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया. छात्रों के मनोरंजन के लिए विद्यालय में श्री मनोज कुमार नेमा के मार्गदर्शन में बाल मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें उच्च माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों ने अपने-अपने स्टाल लगाए जिसमें स्वास्थवर्धक खाने पीने की वस्तुएं, खेल आदि के स्टाल शामिल रहे. इस बाल मेले का न केवल विद्यार्थियों ने बल्कि विद्यालय के प्राचार्य सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भरपूर्ण आनंद लिया. कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को उपहार स्वरुप विद्यालय द्वारा मिष्ठान वितरण भी किया गया. बाल-दिवस का आयोजन, विद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ.

वेद विज्ञान के मूल स्रोत हैं इस निष्कर्ष के साथ त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'वैदिक वाङ्मय में विज्ञान' विषय पर त्रिदिवसीय अखिलभारतीय वैदिक संगोष्ठी का समापन विश्वविद्यालय के

अभिमंच सभागार में सम्पन्न हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता संगोष्ठी के निदेशक व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. विजय कुमार, सी.जे. कुलपति एवं सारस्वत अतिथि के रूप में राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी विराजमान हुए। समापन सत्र का प्रारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की आराधना एवं गौर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। स्वागत भाषण देते हुए संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शशिकुमार सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा ज्ञान प्रदान करना सर्वश्रेष्ठ कर्म है। सी.जे. कुलपति प्रो. विजय कुमार ने अपने उद्बोधन में वेदों में विज्ञान विषय पर सूक्ष्मता से प्रकाश डालते हुए बताया

कि वैदिक विज्ञान द्वारा ही नवसाहित्य का सृजन किया जा सकता है। वेदों में विज्ञान के बोध हेतु मुख्य रूप से तीन दृष्टि प्रतिबिंबित किए जिसमें सांस्कृतिक व सामाजिक, राजनीतिक व भौगोलिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व आदि विषय शामिल थे। वैदिक ज्ञान व विज्ञान का समन्वय बिगड़ जाने पर भारतीय सामाजिक व्यवस्था में शिथिलता उत्पन्न होती है। संबोधन के अंत में विकसित भारत की बात करते हुए बताया कि आगामी पीढ़ी को ही भारत को विकसित भारत बनाया जा सकता है। सारस्वत अतिथि के रूप में पधारे राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी जी ने वैदिक मंत्रों के वर्णों की व्युत्पत्ति को सारगर्भित रूप में प्रतिपादित किया।

प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सञ्जय कुमार ने बताया कि त्रिदिवसीय वैदिक संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आमंत्रित 60 विद्वान उपस्थित हुए। इनको 11 सत्रों में आयोजित किया गया। आज समापन सत्र से

पूर्व दो विद्वत् सत्र ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। ऑफलाइन विद्वत् सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर अम्बिकादत्त शर्मा ने की अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विज्ञान की विशेषता व 64 प्रकार की विद्या का उल्लेख किए। सत्र का संचालन डॉ प्रदीप दुबे ने किया। ऑनलाइन की अध्यक्षता प्रो.ए.पी. मिश्रा ने की जिसमें उन्होंने वैदिक रसायनविज्ञान पर चर्चा की। इस सत्र का सञ्चालन डॉ ऋषभ भरद्वाज ने किया।

समापन सत्र में संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा वैदिक मंगलाचरण तथा सामगान किया गया। समापन सत्र में संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक शशिकुमार सिंह द्वारा मंच संचालन किया गया, डॉ संजय कुमार द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

गया. साथ ही उन्होंने बताया कि वेद साक्षात् ईश्वर की वाणी है. धन्यवाद ज्ञापन डॉ रामहेत गौतम ने किया. डॉ सदानंद त्रिपाठी एवं डॉ सत्येंद्र कुमार यादव के द्वारा संगोष्ठी की प्रतिपुष्टि दी गई.

डॉ. गौर की विरासत को संजोते हुए उनके सपनों को पूरा करेंगे- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

पहले दिन विश्वविद्यालय एकादश (ए) और पत्रकार एकादश टीम विजयी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. गौर उत्सव की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच से हुई. यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई. मैच की शुरुआत विशिष्ट अतिथि विवि के सेवानिवृत्त प्रो. सुबोध जैन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रो. अनिल जैन, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. विवेक साठे की उपस्थिति में हुई.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. उन्होंने कहा गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उत्साहजनक खेल के साथ गौर उत्सव प्रारम्भ हो रहा है. यह ऐतिहासिक कार्यक्रम

है. गौर जयन्ती की श्रृंखला में आयोजित गतिविधियाँ प्रत्येक वर्ष बहुत ही उल्लास के साथ आयोजित की जाती हैं. हम डॉ. गौर के अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा सौंपी गई विरासत का नाम रोशन करेंगे. अकादमिक शोध, अध्ययन-अध्यापन और बहुआयामी गतिविधियों को लगातार आयोजित करते हुए हम विकास के पथ पर यूं ही आगे बढ़ते रहेंगे.

प्रथम मैच संबद्ध महाविद्यालय बनाम विश्वविद्यालय एकादश (ए) के बीच खेला गया, जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ए ने यह मैच 5 रन से जीता. संबद्ध महाविद्यालय क्रिकेट टीम के कप्तान अजय श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय एकादश ए के कप्तान कृष्ण कुमार थे. संबद्ध महाविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था. विश्वविद्यालय एकादश ए पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर संबद्ध महाविद्यालय को 155 रनों का लक्ष्य दिया. विश्वविद्यालय एकादश ए की तरफ से नवनीत कुमार सिंह ने सर्वाधिक 73 रन की शानदार पारी खेली साथ ही हेमंत पाटीदार ने 21 रन, शंकर पटेल ने 18 रन बनाये. वही संबद्ध महाविद्यालय ने बॉलिंग करते हुए सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए, अंकित हजारी ओर समीर ने क्रमशः 1-1 विकेट लिए इसी

के साथ दूसरी इनिंग में संबद्ध महाविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन ही बना सकी. सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने, अंकित हजारी ने 25 रन एवं 16 रनों की पारी सिद्धार्थ ने खेली. विश्वविद्यालय एकादश ए ने गेंदबाजी करते हुए

नितेश, हेमंत एवं विनय शुक्ला ने 2-2 विकेट लिए, 1 विकेट नीरज ने लिया. महेंद्र बाथम एवं अंकित ने शानदार फील्डिंग की. विश्वविद्यालय एकादश ए ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश किया. प्रतियोगिता का द्वितीय मैच पत्रकार एकादश और विश्वविद्यालय एकादश (बी) के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय एकादश (बी) टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए. सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली, सत्यम ने 20 रनों की पारी खेली. पत्रकार एकादश की ओर से गेंदबाजी करते हुए दानिश ने 5 विकेट भूपेंद्र एवं दिनेश ने एक-एक विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार एकादश

की टीम ने 7 विकेट से जीत अर्जित की सर्वाधिक शशांक ने 45 रनों की पारी खेली शानू ने 22 एवं सोमू ने 16 एवं दिनेश ने 13 रन बनाये. विश्वविद्यालय एकादश (बी) की ओर से गेंदबाजी करते हुए हिमांशु यादव, सत्यम एवं पीयूष ने 1-1 विकेट लिए, शत्रुघन ने शानदार फील्डिंग की. इस मैच के अंपायर वैभव, शिवांशु यादव, अमन दुबे, रुद्रांश रहे एवं स्कोरर नैन्सी कुर्मी और आदित्य बेन रहे. कार्यक्रम का संचालन महेंद्र बाथम ने किया एवं आभार डॉ. सुमन पटेल ने व्यक्त किया. इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवेक साठे, महाविद्यालयीन प्रतिनिधि डॉ. राजू टंडन, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. विवेक जायसवाल, विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, शहर के गणमान्य नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे.

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, इसके अभाव में महानतम कार्य रुक जाते हैं- प्रहलाद पटेल

डॉ. गौर की प्रेरणा से कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर कार्य करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि- कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक ‘गौर उत्सव’ 2024 का आयोजन किया जा रहा है. 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार मिश्रा थे. कार्यक्रम की

अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, युवा नेता गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक के वी, डीसीडीसी प्रो एन पी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस पी उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मंचासीन थे. स्वागत भाषण डॉ. सुशील गुप्ता ने दिया. संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया.

इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर से मेरा बहुत पुराना नाता है. उन्होंने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी. वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है. उन्होंने कहा कि नव स्थापित राज्य विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा. उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यश पाना चाहता है लेकिन किस तरह का यश उसे प्राप्त करना है उसे खुद तय करना होता है. अगर आप पीढ़ियों तक यश प्राप्त करना चाहते हैं तो शिक्षा के केंद्र स्थापित की जिए जैसा डॉ. गौर ने किया. यही कारण है कि वे न केवल कई पीढ़ियों तक याद किये जायेंगे बल्कि वे अमर हैं. एक महान अधिवक्ता, समाज सुधारक, लेखक के रूप में उनका व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है. हमें उनके संस्थान में पढ़ने, पढ़ाने और किसी भी रूप में जुड़े रहने पर गर्व होना चाहिए. डॉ. गौर संकल्प के साथ कार्य करते थे. संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता. संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयन्ती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं. इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा. खेल समग्र व्यक्तित्व का विकास करता है और खेल गतिविधि के माध्यम से इस युवा उत्सव की शुरुआत हुई है. इसी श्रृंखला में आज यह सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया है. डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं. हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. हमारे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं पूरी दुनिया में डॉ. गौर का नाम रोशन कर रहे हैं. डॉ. गौर की प्रेरणा, संकल्प और उनके महान अवदान का प्रतिफल ही है कि आज हर क्षेत्र में हमारे विद्यार्थी उच्च पदों पर पहुंचे हैं.

रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद मिश्रा ने कहा कि यह प्रथम अवसर है जब वे डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर में आये हैं. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर द्वारा शिक्षा के लिए दान करना उनकी शिक्षा के प्रतिबद्धता और संकल्प को दर्शाता है. वे एक महान व्यक्तित्व थे जिनके अवदान के कारण लाखों विद्यार्थी आज शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और अपने भविष्य को संवार रहे हैं. उन्होंने राज्य विश्वविद्यालय की प्रगति भी साझा की. इस अवसर पर विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, प्रतिनिधि, विद्यार्थी, विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे.

सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई. बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओम श्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महा विद्यालय एवं अन्य सम्बद्ध महा विद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम समापन के अवसर पर सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए.

सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर दी गई पुष्पांजलि

कैबिनेट मंत्री माननीय प्रहलाद सिंह पटेल ग्रामीण एवं पंचायत मंत्री (मध्यप्रदेश सरकार) ने गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पहुंचकर डॉ. हरीसिंह गौर को श्रद्धांजलि दी.

गौर उत्सव: द्वितीय दिवस

अधिवक्ता एकादश ने एमपीईबी एकादश को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की

डॉ हरीसिंह गौर जयंती के उपलक्ष्य पर खेल कूद गतिविधियों में दूसरे दिन एडवोकेट एकादश एवं एमपीईबी एकादश के बीच

क्रिकेट मैच खेला गया. इस टी -20 मैत्री क्रिकेट मैच में एमपीईबी एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 161 रन बनाए. टीम के बल्लेबाज अवनीश और द्रगपाल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. अवनीश ने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए, जबकि द्रगपाल ने 5 चौकों और 2 छक्कों के साथ 36 रनों का योगदान दिया. भूपेंद्र ने भी 2 चौकों की मदद से 24 रन जोड़े. अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में प्रणव और मनोज ने 2-2 विकेट लिए जबकि देवांशु ने 1 विकेट झटका. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अधिवक्ता एकादश की शुरुआत अच्छी रही. टीम के स्टार बल्लेबाज प्रवीण ने 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 88 रनों की दमदार पारी खेली. उनकी इस पारी ने टीम की जीत को सुनिश्चित किया. 5 गेंद शेष रहते अधिवक्ता एकादश ने लक्ष्य हासिल कर लिया. एमपीईबी एकादश के गेंदबाजों में अवनीश ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. प्रवीण को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया.

स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला प्रशासन एकादश को हराया

इस टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच में स्कूल एजुकेशन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन की टीम को 10 विकेट से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की. इस मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिला प्रशासन की टीम ने 15 ओवर में 7 विकेट पर 94 रन बना. टीम के लिए हेमंत ने सबसे अधिक 31 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 1 छक्का शामिल था. स्कूल एजुकेशन टीम के गेंदबाजों में विपिन और आशीष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट झटके, जबकि ओजस्व ने 1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल एजुकेशन टीम की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए मात्र 5.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. देवांश ने 40 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल थे, वहीं पुष्पेंद्र ने आक्रामक अंदाज में 54 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे.

बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए पुष्पेंद्र को मैन ऑफ द मैच

मुकाबला खेल भावना, टीमवर्क और मनोरंजन से भरपूर रहा. मुख्य अतिथि डॉ. साठे ने दोनों टीमों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों के बीच आपसी सहयोग और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं.

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच: पत्रकार एकादश एवं स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के बीच होगा फ़ाइनल मैच

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया. पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए

विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया. मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी. बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए. दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही

बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए. पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है. टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है.

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया. टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया. बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी. टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली. स्कूल शिक्षा विभाग के

गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया. स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया.

गौर उत्सव के तृतीय दिवस महिला खेलों का हुआ आयोजन

गौर जयती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे. म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला

राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया.

रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही.

मिशन के रूप में कार्य कर विद्यार्थी डॉ. गौर के सपनों को साकार कर सकते हैं-कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता

केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 के छात्र-छात्राओं ने गौर उत्सव सहवार्षिक उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

डॉक्टर हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ

सरस्वती एवं डॉ. गौर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर कि गई. विद्यार्थियों द्वारा आसामी नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य समेत प्रसिद्ध बुंदेली नृत्य जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष कि तरह विश्वविद्यालय में गौर जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाई जा रही है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट जी को बुलाने का उद्देश्य उनकी उपलब्धियों से विद्यार्थियो को प्रेरणा देना है. उन्होंने अपनी उम्र में कई ज्यादा उपलब्धियां हासिल की है. खासकर महिला छात्राओं के लिए वह एक प्रेरणा का रूप है. उन्होंने बताया कि इस स्कूल को एक कक्षा से शुरु कर आज हाई स्कूल का रूप दे दिया है. उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को जो स्कूल का नाम रोशन कर रहे

है उन्हें सम्मानित करने और प्रोत्साहन देने की बात कही. उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी केजी से पीजी तक की शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय पीएचडी की शिक्षा तक दे रहा है. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर ने शिक्षा के इस मंदिर को अपने तन मन धन से सिंचित कर इसको स्थापित किया. जहां आज देशभर के करीब 25 राज्यों के बच्चे यहां उच्च शिक्षा में अध्यननरत है. यह गौरव की बात है कि यहां स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कि पढ़ाई एक ही कैंपस में प्राप्त हो रही है. इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी विशेष उपलब्धि के लिये शील्ड देकर सम्मानित किया. गौरतलब है कि शुभ को विज्ञान मॉडल के लिये देशभर के 3 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित कर भारत सरकार ने उनको जापान यात्रा पर भेजा था.

मुख्य अतिथि के रूप में सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन की सारी कमाई शिक्षा के लिये दान कर दी। इसलिए आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है. जिसके लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है. यह अत्यंत गौरव का विषय है कि देश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है जो शिक्षा के द्वारा से ही संभव है. उन्हीने कहा कि में मध्य प्रदेश के बारे में उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान पढ़ा. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के योगदान को इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से ही नई पीढ़ी तक पहुचाएं जा सकते है. डॉ गौर के बारे में कुछ भी कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के बराबर है. डॉ गौर उच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने जन्मस्थान को याद रखा और यहां शिक्षण संस्थान की स्थापना की.

उन्होंने शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा और समाज में परिवर्तन आया है. तकनीक और एक्सपोजर के साथ विश्व में सब कुछ बदल रहा है इसलिए शिक्षा देने का तरीका भी बदलना चाहिए. आगे आने समय के लिए विद्यार्थियो को तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं न होकर सामाजिक, मानसिक विकास शिक्षा से ही होता है. भविष्य में समाज में व्यहवार करने के तरीके भी बच्चे शिक्षा के द्वारा सीखते है. केन्द्रीय विद्यालय इन सभी के लिए प्रयासरत है. वह भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बना रहे है.

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने दिया. विद्यालय के बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे बताया साथ ही उन्होंने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विस्तार से प्रकाश डाला. कार्यक्रम में विद्यालय के नामित अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं एकेडेमिक्स अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कांगो ने गजल के माध्यम से डॉ. गौर को नमन किया एवं उनके वृहतर योगदान की चर्चा की. इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के कठल सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी समेत अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र तनिष्क और शिवांगी ने किया और अंत में आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने माना.

गौर उत्सव 2024: टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

खेल शारीरिक, मानसिक विकास में योगदान एवं टीम भावना और अनुशासन को बढ़ावा देते है: कुलपति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ. आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया.

टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया. पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया. उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया. विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज कि. टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे. जिन्होंने 4 विकेट लिए. टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का ख़िताब अभिषेक परदेशी को मिला. विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए. उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ-साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया.

इस समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है. हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है. इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते है.

महिला खेल में दूसरे दिन पिट्ठू खेल का आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम में ओमिका, ऋतु यादव, पूनम मिश्रा, देवांशी एवं एकता थे. दूसरी टीम ने भी बराबर की टक्कर से खेला जिसकी कप्तानी दीपाली ने की. विजयश्री, वेणुका, अनुराधा और शिवानी इस टीम की साथी सदस्य रहीं. दो दिन चले महिला खेलों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन से समय निकाल कर उन्हें मनोरंजन प्रदान करना था. खेलों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है. महिला क्लब की खेल कूद की गतिविधियों से अन्य महिलाएं भी खेलों में अपनी रुचि दिखाती है. उम्र की सीमा को न देखते हुए सभी खेलो में महिलाएं अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित करती हैं. महिला खेलो के बाद समापन सत्र का आयोजन माननीया कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने सभी आयोजकों और सहभागियों को सफल खेलो के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. एन.पी. सिंह, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. राजू टंडन, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. रितु यादव, डॉ. विवेक साठे, और डॉ सुरेन्द्र गादेवार, डॉ सुमन पटेल, महेंद्र बाथम ने अहम भूमिका निभाई.

डॉ. गौर के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें छात्र- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर उत्सव: 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी रचनात्मक अभिव्यक्ति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2024 को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ. इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज

देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है. हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर, ने अपने वक्तव्य में डॉ. हरीसिंह गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा, और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया.

काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को

प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गई। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने "तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने "मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन", सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने "हर सुबह अखबार झूठ बोलता है', दिव्या राय ने "पिता और बेटी के रिश्ते की तरह", डॉ. हेमंत

पाटीदार ने ‘जानता हूं सागर गहरा बहुत है’, डॉ. शशि कुमार सिंह ने ‘सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. ए. डी. शर्मा, प्रो. अनिल

कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, वित्ताधिकारी डॉ. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे.

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने दैनिक भास्कर डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया. भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया. उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए. कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए. वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे. उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है. वह हमारे पितृ पुरुष है. ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए. हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे.

इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं. डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे.

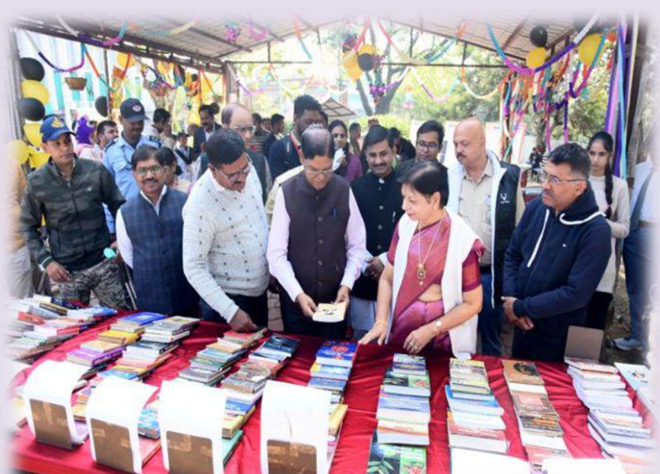

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फ़ूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं. इस

अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

कुलाधिपति एवं कुलपति ने किया तीनबत्ती पर दीप प्रज्ज्वलन

गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आई.पी.एस. एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

और सभा को संबोधित किया. उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शक्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से

ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेशी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में

सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बप्पा को याद करते हैं; वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आवहन करती हूँ - समस्त सागर वासियों को - आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है - हमें डॉ. गौर को - भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे.

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची. इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने. शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ.

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की. सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया. इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया. सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया. गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे.

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे डॉ. गौर- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे. वे एक महान सुधारक भी थे. समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया. उन्होंने विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया. उनके योगदान को स्मृति में रखये हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताये गये मार्गों का अनुकरण करना चाहिए.

डॉ. गौर के त्याग और योगदान को स्मृति में रखते हुए अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हों- कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोनन्त कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्मानीय मंच है।

कोई भी शिक्षा संस्थान अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नवोन्मेषी अकादमिक ज्ञान से ही प्रतिष्ठा पाता है। हम अपने पितृ पुरूष डॉ. गौर के महत्तम त्याग और योगदान को अपनी स्मृति में रखते हुए; अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हो, संपूर्ण सेवा भाव से विश्वविद्यालय के उन्नयन में योगदान दें। विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षण और शोध को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति एवं स्थायित्व दें, शैक्षणिक गुणवत्ता ऐसी हो जो देश-विदेश के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के लिए इस शिक्षा संस्थान की ओर आकर्षित करें। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन और अवदान को रेखांकित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति को साझा किया. उन्होंने गत वर्ष की अकादमिक उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय निरंतर नए मुकाम हासिल कर रहा है.

लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है- डॉ. वीरेंद्र कुमार

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके ऐसा सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती. वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे. उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था. मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ. सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है. उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दीं.

डॉ. गौर ने सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया- सांसद

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ. उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है. डॉ. गौर सागर के गौरव हैं. डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है. वे एक तार्किक क्षमता वाले

कानूनविद थे तो एक सहृदय कवि भी थे. वे दधीचि की तरह थे. उन्होंने अपना सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया. उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा और हम सब इस प्रयास में अवश्य सफल होंगे.

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है. यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुंचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं. यह सब डॉ. गौर की कृपा है. डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है. उन्हें भारत दिलाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है. हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल हो पायेंगे. उन्होंने भास्कर समूह द्वारा चलाये गये माल्यार्पण और मानव श्रृंखला अभियान की प्रशंसा की.

नारी शक्ति के उत्थान में डॉ. गौर की महती भूमिका और योगदान- विधायक शैलेन्द्र जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है. उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया. सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है. वे भारत रत्न के सच्चे हकदार हैं. हमें याचक के बजाये अब हक़ के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए.

विश्वविद्यालय ने किया गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अथिथियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया.

पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का हुआ विमोचन

मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया. इस दौरान संचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय का भी विमोचन किया गया.

अतिथियों ने मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

समारोह में मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न दानदाताओं द्वारा प्रदत्त राशि से विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया.

अतिथियों ने किया गौर मूर्ति पर माल्यार्पण, गौर समाधि पर हुआ पुष्पांजलि कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं सभी अतिथियों ने गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया. एनसीसी विद्यार्थियों द्वारा गार्ड ऑफ़ आनर दिया गया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की.

संविधान की उद्देशिका का हुआ वाचन

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संविधान के प्रति आस्थावान रहने की शपथ दिलाई.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया.

कला, संस्कृति और शौर्य का समन्वय है गौर संग्रहालय

विश्वविद्यालय के पथरिया स्थित वैली कैम्पस में गौर संग्रहालय का हुआ उद्घाटन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, खाद्य एवं आपूर्तिमंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, श्री शैलेन्द्र जैन विधायक सागर, कुलाधिपति श्री कन्हैया लाल बेरवाल, प्रो नीलिमा गुप्ता कुलपति के कर कमलों द्वारा किया गया।

डॉ. हरीसिंह गौर संग्रहालय में डॉ. गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर

आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया गया. इसी के साथ ही एनसीसी से सम्बंधित विभिन्न जानकारियाँ एवं सामग्री प्रदर्शित की गई. सागर एवं बुंदेलखंड का इतिहास, भारत की आजादी में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए हमारे जननायकों की गाथाओं को भी इस संग्रहालय में स्थान दिया गया है. जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया गया है. इसके साथ ही बुंदेलखंड की लोक कला, संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, देशज परंपरा से सम्बंधित जानकारी एवं सामग्री भी प्रदर्शित की गई।

ध्वजारोहण, मशाल और आतिशबाजी के साथ हुआ युवा उत्सव का आगाज

मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह 26 नवम्बर को सायं 6 बजे गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, सागर महापौर संगीता तिवारी, प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी, एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता आर अग्रवाल, युवा नेता गौरव सिरोठिया, शैलेश केसरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम की संरक्षिका कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने की। इस दौरान छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रभारी कुलसचिव सत्यप्रकाश उपाध्याय मौजूद थे।

स्वागत भाषण डॉ. राकेश सोनी ने दिया। एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल ने सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालय से आये छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं। उन्होंने व्यापक स्वरूप में किये गए इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए म.प्र. के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने युवा उत्सव में आये सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ। यहां का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है। यहां से बहुत से छात्रों ने पढ़कर देश विदेश में नाम कमाया है। यहां के अनुभवों से सीखिए। जीवन में उनको अपनाइए। यह डॉ. गौर की धरती है। यहां के अनुभव और शिक्षा को अपने जीवन में अपनाकर अपना भविष्य और देश के भविष्य को संवारिये। प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पवित्र है। यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हर के मायने समझाए औऱ अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत करते हुए अगले पांच दिनो तक चलने वाले युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 27 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी.

तीनबत्ती से निकली सांस्कृतिक रैली, टीम ने दीं प्रस्तुतियां

इस अवसर पर युवा उत्सव की शोभायात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

वृंदावन बाग के पास सभी सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी. शहर के गणमान्य नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने रैली का स्वागत किया एवं जलपान की व्यवस्था की।

बुंदेलखंड विकास मंच ने पच भेंट किया

गोपालगंज स्थित बुंदेलखंड विकास मंच ने डॉ गौर के जन्मदिन पर पच भेंट किया जिसमें डॉ. गौर के कपड़े, झूला, मिठाई, गुड़ के लड्डू और एक हजार किताबें भी पुस्तकालय के लिए दान में दीं। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता, एआईयू की अतिरिक्त सचिव डॉ. ममता अग्रवाल एवं अन्य अतिथियों ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर युवा उत्सव की शुरुआत की। उपमुख्यमंत्री ने हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के तहत भारत के संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जिसे सभी उपस्थित समूह ने दुहराया।

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त

तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 ‘गौर-गौरव उत्सव’ 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया. युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश श्री गंगाचरण दुबे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे. प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन ‘उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो’, का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को

संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये. उन्होंने कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए. सदैव कर्मशील रहिये. कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे. उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है. तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए. अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती हैं. अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं. जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है. उन्होंने बहुत ही प्रेरक उद्बोधन दिया जिसे विद्यार्थियों के बीच काफी सराहा गया.

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी. लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया. क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं. उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव. इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम

कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी

प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी.

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में

ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा. युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज़, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई.

ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली. अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई. प्रतियोगिता के अन्य परिणाम इस प्रकार हैं.

संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यलय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्लासिकल वोकल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ द्वितीय, आईटीएम ग्वालियर तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (पर्कशन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (नॉन-पर्कशन) में भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, बीएचयू वाराणसी तृतीय, लाइट वोकल (इंडियन) में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, आईटीएम ग्वालियर द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तृतीय, वेस्टर्न वोकल सोलो में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (इंडियन) में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, स्वामी विवेकानंद

सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, ग्रुप सॉन्ग (वेस्टर्न) में दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा प्रथम, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, फोक ऑर्केस्ट्रा में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय स्थान पर रहे.

नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस

विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के फोक/ट्राइबल डांस में ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तृतीय, क्लासिकल डांस में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह द्वितीय, भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ तृतीय स्थानों पर रहे.

साहित्यिक विधा में ओवरऑल विजेता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को कामता प्रसाद गुरु ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को सहोद्रा राय ट्रॉफी प्रदान की गयी. इस श्रेणी के क्विज़ में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर प्रथम, बीएचयू वाराणसी द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, भाषण प्रतियोगिता (एलोक्यूशन) में बीएचयू वाराणसी प्रथम, आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, वाद-विवाद (डिबेट) में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय तथा आचार्य नरेंद्र विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे.

नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के वन-एक्ट प्लेमें राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना तृतीय, स्किट में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, माइम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वितीय, विक्रम

विश्वविद्यालय उज्जैन तृतीय, मिमिक्री में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय और बीएचयू वाराणसी तृतीय स्थान पर रहे.

फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकेण्ड रनर अप विक्रम

विवि उज्जैन व् राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई. इस श्रेणी के ऑन द स्पॉट पेंटिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट आगरा तृतीय, कोलाज में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, पोस्टर मेकिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर तृतीय, क्ले मॉडलिंग में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन प्रथम, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वितीय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर तृतीय, कार्टूनिंग में बीएचयू वाराणसी प्रथम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वितीय, विक्रम विश्वविद्यालय तृतीय, रंगोली में

भातखंडे विश्वविद्यालय लखनऊ प्रथम, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वितीय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ तृतीय, स्पॉट फोटोग्राफी में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा प्रथम, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वितीय, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय, इंस्टॉलेशन में बीएचयू वाराणसी प्रथम, राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वितीय, आचार्य नरेंद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या तृतीय, मेहंदी में बीएचयू वाराणसी प्रथम, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वितीय और ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना तृतीय स्थान पर रहे.

सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर प्रथम स्थान पर रहा. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय, भोपाल तृतीय स्थान पर रहे.

दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक

एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया. इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय

की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया. एकेएस विवि सतना के दल ने बरेधी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया. राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ.

--------//--------

खबरों में विश्वविद्यालय

भास्कर खास • गौर गौरव उत्सव : 26 नवंबर के परंपरागत कार्यक्रम यथावत होंगे, युवा उत्सव के तहत अलग से होगा अनूठा आयोजन

पहली बार निकलेगी डॉ. गौर की पचबधाव शोभायात्रा, महिलाएं गाएंगी गीत

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक, सागर सपूत डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती 26 नवंबर को इस बार खास

अंदाज में मनाई जाएगी। गौर जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा सहित अन्य परंपरागत कार्यक्रम तो पहले की तरह ही होंगे। लेकिन इस बार डॉ. गौर के पचबधाव का विशेष आयोजन अलग से होगा।

बुंदेली परंपरा के अनुसार हाथ ठेले पर पचबधाव की सामग्री रखी जाएगी। इसमें पालना, खिलौने, गुड़ के लड्डू, कपड़े आदि होंगे। गुब्बारों से सजाकर पच लाया जाएगा। बुंदेली परंपरा के अनुसार महिलाएं बुंदेली गीत सोहर गाएंगी। ये महिलाएं पथरिया गांव की हैं।

झील में 100 नाव और क्रूज से आतिशबाजी होगी

विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि पचबधाव में हाथी-घोड़े भी शामिल होंगे। इन पर बैठकर विद्यार्थी एआईयू और विवि के फ्लैग लिए रहेंगे। एक बग्घी में गौर साहब की मूर्ति रहेगी। अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय सांस्कृतिक दल भी सहभागिता करेंगे। बधाई, बरेदी, राई नृत्य की प्रस्तुति होगी। पचबधाव की शोभायात्रा तीनबत्ती से कोतवाली, एलिवेटेड कॉरीडोर, गोपालगंज होते हुए विवि पहुंचेगी। झील में क्रूज और 100 नाव से आतिशबाजी कर शोभायात्रा का स्वागत होगा। रास्ते में भी जगह-जगह स्वागत होगा।

विवि को पहली बार मिली मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को 38वें अंतर विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। इसमें मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 100 विश्वविद्यालयों के 1500 विद्यार्थी 28 विधाओं में हिस्सा लेने सागर आएंगे। ऐसा पहली बार है, जब सागर विश्वविद्यालय को अंतर विश्वविद्यालयीन मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। यह आयोजन 26 से 30 नवंबर तक चलेगा। 26 नवंबर को सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती भी है। इसलिए इस युवा उत्सव को गौर-गौरव उत्सव नाम दिया गया है। गौर जयंती की परंपरागत शोभायात्रा के बाद युवा उत्सव के तहत दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक शोभायात्रा भी तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति से लेकर विवि स्थित गौर मूर्ति तक निकाली जाएगी। उसी में पचबधाव निकलेगा।

युवा उत्सव में 26 से 30 नवंबर तक का ऐसा रहेगा शेड्यूल

- **26 नवंबर** : टीम मैनेजर मीटिंग, सभी विश्वविद्यालयों का पंजीयन, शोभायात्रा, उद्घाटन समारोह एवं सांस्कृतिक समारोह।
- **27 नवंबर** : सुगम गायन, मिमिक्री, भाषण, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, स्पॉट पेंटिंग, प्रश्न मंच एवं क्ले मॉडलिंग।
- **28 नवंबर** : एकांकी नाटक, भारतीय समूह गान, शास्त्रीय वाद्य वादन, फोटोग्राफी, पाश्चात्य समूह गान, कार्टूनिंग, प्रश्न मंच का दूसरा चरण, शास्त्रीय गायन, इंस्टालेशन।
- **29 नवंबर** : पाश्चात्य एकल गायन, मूकाभिनय, रंगोली, लोक वाद्यवृंद, कोलॉज, समूह लोकनृत्य एवं मेहंदी।
- **30 नवंबर** : समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण।

आर्यभट्ट छात्रावास में छात्र, गर्ल्स हॉस्टल-कैंपस में छात्राएं रुकेंगी

सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही है। नए बने आर्यभट्ट बालक छात्रावास में सभी पुरुष प्रतिभागी रहेंगे। जबकि छात्राओं की रुकने की व्यवस्था गर्ल्स हॉस्टल एवं यहीं के आवासीय कैंपस के क्वार्टर में की गई है। अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों के रुकने की व्यवस्था विवि के अतिथि गृह में की गई है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर विवि स्टेडियम के डोरमेट्री में भी की जाएगी। आयोजन सचिव डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 का आयोजन डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में होगा।

दुर्लभ समाचार पत्रों की प्रदर्शनी विवि के पत्रकारिता विभाग में लगाई

सागर | सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय सागर द्वारा संचार एवं पत्रकारिता विभाग डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में प्रिंट मीडिया पर केंद्रित एक शिक्षाप्रद प्रदर्शनी आयोजित की गई। संग्रहालय के संस्थापक अध्यक्ष दामोदर अग्निहोत्री द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में 1920 से 1955 तक के दुर्लभ भारतीय समाचार पत्रों की मूल प्रतियां प्रदर्शित की गईं। समाचार पत्रों में विज्ञापन, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, आजादी से पूर्व और पश्चात की पत्रकारिता, गणेश शंकर विद्यार्थी और माखनलाल चतुर्वेदी की पत्रकारिता से संबंधित संकलन को विविध रूपों में प्रदर्शित किया गया। पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो कालिनाथ झा, प्रो. विवेक जायसवाल व विभाग के सभी प्राध्यापक एवं स्टाफ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पत्रकारिता विभाग के शोधार्थी दीपक को मिली यूजीसी की जूनियर रिसर्च फेलोशिप

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के शोधार्थी दीपक कुमार को महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। विभाग के शोधार्थी दीपक ने जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय में यूजीसी-जेआरएफ जून 2024 की परीक्षा उत्तीर्ण की है जो सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता एवं पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान करती है। शोधार्थी दीपक विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विवेक जायसवाल के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि पत्रकारिता विभाग को काफी उपलब्धियां मिल रही हैं। विभाग के प्रयासों से इसी वर्ष से नियमित स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हुआ है जिसमें पहली ही काउंसिलिंग में सभी सीटों पर प्रवेश हो गये। भविष्य में आने वाले छात्र इस सफलता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में यूजीसी नेट/जेआरएफ जैसी परीक्षाओं में सफल होंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. कालीनाथ झा, डॉ अलीम अहमद खान, डॉ विवेक जायसवाल एवं विभाग के सभी शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शुरू हुई डिजिटल सुविधा

विवि के पेंशनधारक ऐप से जमा कर सकेंगे जीवन प्रमाण-पत्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के समस्त पेंशनधारकों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए डिजिटल सुविधा प्रारंभ की गई है।

अब विश्वविद्यालय से पेंशन प्राप्त करने वाले सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी अपना जीवन प्रमाण (लाइफ सर्टिफिकेट) डिजिटल रूप से भी जमा कर सकते हैं। इसके लिए भौतिक रूप से किसी कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। इससे पहले प्रत्येक माह में सभी पेंशनधारकों को फॉर्म भरकर बैंक के माध्यम से प्रमाणीकृत कराना होता था। प्रमाणित फॉर्म को कार्यालय में जमा करना होता था। अब सभी पेंशन प्राप्तकर्ता एनआइसी के जीवन प्रमाण ऐप से डिजिटल रूप से विश्वविद्यालय को भेज सकते हैं। यह ऐप आधार से लिंक होगा। यह ऐप मोबाइल पर भी इंस्टाल कर सकते हैं अथवा जीवन प्रमाण की वेबसाइट पर लॉग इन कर सीधे अपना प्रमाण पत्र भेज सकते हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कार्यों को लगातार डिजिटलाइज्ड किया जा रहा है। प्रशासनिक एव वित्तीय कार्यों की सुगमता, प्रवेश, परीक्षा, डिग्री, अवकाश एवं अन्य सभी गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से संपादित किया जा रहा है। जीवन प्रमाण ऐप जैसी सुविधा से दूर-दराज में रहने वाले, स्वास्थ्य कारणों से भौतिक रूप से न पहुंच पाने वाले पेंशनधारकों को सुविधा होगी।

दैनिक भास्कर | **सागर**

विवि • प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी, इनमें 45% लड़कियां, यह बीते साल से 1 प्रतिशत ज्यादा

विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वालों में 25 राज्यों के विद्यार्थी, प्रदेश के 74.80%, जर्नलिज्म के नए कोर्स की 29 सीटें भरी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर सत्र 2024-25 में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में देश के 25 राज्यों के 3684 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है इसमें से सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश के हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों में से मध्यप्रदेश के 2756 विद्यार्थी हैं। प्रवेश लेने वालों में प्रमुख 5 राज्य में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, उड़ीसा, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ राज्य के विद्यार्थी हैं। इन पाठ्यक्रमों में 45 प्रतिशत छात्राओं ने प्रवेश लिया है। यह बीते साल से एक प्रतिशत ज्यादा है। पिछले सत्र में कुल विद्यार्थियों में 44 प्रतिशत छात्राएं थीं। बीते साल कुल 3022 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। इस साल यह संख्या बढ़कर 3684 हो गई है। इसके अलावा कम्युनिटी कॉलेज द्वारा अग्नीवीरों के लिए संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 450 अग्नीवीरों ने प्रवेश लिया है।

एकीकृत एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में रुचि ज्यादा

विश्वविद्यालय में संचालित एकीकृत बीए-बी.एड, बीएससी- बी.एड. और बीए-एलएलबी पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ा है। इसके अलावा अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए, बीएफए की तरफ भी विद्यार्थियों की रुचि है। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने ज्यादा रुचि दिखाई है। इनमें 60-60 सीटों पर 58 एवं 54 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

• **बी-फार्मा, एमएससी फोरेंसिक साइंस, एलएलबी, एलएलएम की सभी सीटें भरीं** : प्रवेश प्रकोष्ठ के अनुसार बी-फार्मा, एमएससी फोरेंसिक साइंस, एलएलबी, एलएलएम पाठ्यक्रमों की सभी सीटें भर गई हैं। इसके अलावा अप्लाइड जियोलॉजी, बॉटनी, भौतिक शास्त्र, रसायन विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, अपराध शास्त्र, एमलिब, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, संगीत जैसे विषयों में भी रिकॉर्ड सीटों पर प्रवेश हुआ है।

• **स्नातक एवं परा-स्नातक में ज्यादा प्रवेश** : विश्वविद्यालय में संचालित पारंपरिक पाठ्यक्रमों में भी पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सीटें भरी हैं। बीए, बीएससी के दोनों समूहों, बीकॉम के अलावा हिंदी, राजनीतिशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, भौतिकी, जंतु विज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान के पीजी पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश की स्थिति अच्छी रही है।

• **नए पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में सबसे ज्यादा प्रवेश** : सत्र 2024-25 से एमए (भारतीय ज्ञान प्रणाली), बीए (पत्रकारिता और जनसंचार), बीपीए (हिंदुस्तानी गायन संगीत), बीपीए (तबला वादन), श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा, थिएटर संगीत में प्रमाणपत्र, शास्त्रीय नृत्य में प्रमाणपत्र (कथक) जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें भी विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में प्रवेश लिया है। पहली बार शुरू हुआ पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में 30 में से 29 सीट पर प्रवेश हुआ है। केवल एक सीट बाकी है।

यूनिटी व डायवर्सिटी संकल्पना को साकार कर रहा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय 'यूनिटी इन डायवर्सिटी' की संकल्पना को साकार कर रहा है। यहां देश के सभी राज्यों के विद्यार्थी प्रवेश ले रहे हैं। यहां अधोसंरचना विकास के साथ-साथ प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। सबसे ज्यादा विद्यार्थी मध्य प्रदेश और विश्वविद्यालय के आसपास के अंचलों से हैं। सभी राज्यों के विद्यार्थी यहां अध्ययन एवं शोध के लिए आ रहे हैं। छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी शिक्षा में उनकी रुचि के साथ-साथ उनकी सशक्त स्थिति को दर्शाता है।

विवि में इस बार 25 राज्यों के साढ़े तीन हजार छात्रों को मिला प्रवेश

- प्रवेश लेने वालों में 45% छात्राएं, प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की ओर युवाओं का रुझान बढ़ा
- विवि की विभिन्न कक्षाओं में 74.80% विद्यार्थी मध्यप्रदेश के

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय। फाइल फोटो

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर सत्र 2024-25 में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में देश के 25 राज्यों के 3684 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें से सबसे ज्यादा मप्र के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इन पाठ्यक्रमों में 45 प्रतिशत छात्राओं का प्रवेश हुआ है, जबकि पिछले वर्ष 44 प्रतिशत छात्राओं ने प्रवेश लिया था।

आंकड़ों के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों में से मध्यप्रदेश के 2756 विद्यार्थी हैं। टाप फाइव राज्य में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य हैं।

पिछले वर्ष कुल 3022 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था जो इस वर्ष बढ़कर 3684 हो गई है। इसके आलावा कम्युनिटी कालेज द्वारा अग्नीवीरों के लिए संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 450 अग्नीवीरों ने प्रवेश लिया है।

एकीकृत एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान बढ़ा:

विश्वविद्यालय में संचालित एकीकृत बीए, बीएड, बीएससी, बीएड और बीए एलएलबी पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान काफी बढ़ा है।

इसके अलावा अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए, बीएफए की तरफ भी विद्यार्थियों की रूचि बढ़ी है। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने ज्यादा रुचि दिखाई है। इनमें 60.60 सीटों पर क्रमशः 58 एवं 54 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। आइटेप प्रोग्राम के तहत संचालित एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बीफार्मा, फोरेंसिक साइंस व एलएलबी की सभी सीटें भरीं

प्रवेश प्रकोष्ठ से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीफार्मा एमएससी फोरेंसिक साइंस, एलएलबी, एलएलएम पाठ्यक्रमों की सभी सीटें भर गई हैं। इसके अलावा अप्लाइड जियोलोजी, बाटनी, भौतिक शास्त्रए रसायन विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, अपराध शास्त्र, एमलिब, हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, संगीत जैसे विषयों में भी रिकार्ड सीटों पर प्रवेश हुआ है।

गत वर्षों की तुलना में ज्यादा प्रवेशः विवि में संचालित पारंपरिक पाठ्यक्रमों में भी पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सीटें भरी हैं। बीएए बीएससी के दोनों समूहों, बीकाम के अलावा हिंदी, राजनीतिशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, भौतिकी, जंतुविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान के पीजी पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश की स्थिति काफी अच्छी है।

वहीं सत्र 2024.25 से एमए भारतीय ज्ञान प्रणाली, पत्रकारिता और जनसंचार, बीपीए हिंदुस्तानी गायन संगीत, बीपीए तबला वादन, श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमाए थिएटर संगीत में प्रमाणपत्र, शास्त्रीय नृत्य में प्रमाणपत्र कथक जैसे पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

> विवि तेजी से प्रगति कर रहा है। देश के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थी यहां अध्ययन एवं शोध के लिए आ रहे है। विभिन्न क्षेत्रों और भाषा के विद्यार्थी एक सामासिक संस्कृति का निर्माण करेंगे। छात्राओं की संख्या मे बढ़ोतरी शिक्षा मे उनकी रूचि के साथ-साथ उनकी सशक्त स्थिति को दर्शाता है।
>
> \- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति डा. हरीसिंह गौर विवि।

विद्यार्थियों ने अच्छी संख्या में प्रवेश लिया है। पत्रकारिता के स्नातक पाठ्यक्रम में 30 में से 29 सीट पर अंतिम रूप से प्रवेश हुआ।

अच्छी खबर ▶ **विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 25 राज्यों के छात्र-छात्राएं, लगभग 75 प्रतिशत विद्यार्थी मप्र से**

अग्निवीरों के लिए प्रारंभ पाठ्यक्रम में सर्वाधिक प्रवेश

नवभारत न्यूज

सागर 8 नवम्बर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सत्र 2024-25 में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में देश के 25 राज्यों के 3684 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है इसमें से सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है.

विवि से जारी आंकड़ों के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों में से मध्यप्रदेश के 2756 विद्यार्थी हैं. टॉप फाइव राज्य में मप्र के अलावा उप्र, बिहार, केरल, उड़ीसा, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य हैं. गौर करने वाली बात यह है कि इन पाठ्यक्रमों में 45 प्रतिशत छात्राओं का प्रवेश हुआ है. पिछले वर्ष 44 प्रतिशत छात्राओं ने प्रवेश लिया था. पिछले वर्ष कुल 3022 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था जो इस वर्ष बढ़कर 3684 हो गई है. इसके आलावा कम्युनिटी कॉलेज द्वारा अग्नीवोरों के लिए संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में 450 अग्नीवीरों ने प्रवेश लिया है. विश्वविद्यालय में संचालित एकीकृत बीए-बी.एड, बीएससी-बी.एड. और बीए-एलएलबी पाठ्यक्रमों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान काफी बढ़ा है. इसके अलावा अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए, बीएफए की तरफ भी विद्यार्थियों की रूचि बढ़ी है. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों ने ज्यादा रूचि दिखाई है. इनमें 60-60 सीटों पर क्रमश: 58 एवं 54 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है. सत्र 2024-25 से एमए, बीए, बीपीए, श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा, थिएटर संगीत में प्रमाणपत्र, शास्त्रीय नृत्य में प्रमाणपत्र (कथक) जैसे पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं.

सफलता 22 छात्र-छात्राओं को जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए भी पात्रता मिली

विश्वविद्यालय के 108 विद्यार्थियों ने पास की नेट परीक्षा

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विभिन्न विभागों के 108 विद्यार्थियों ने सीएसआइआर और यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें से 22 छात्र-छात्राओं को जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए भी पात्रता मिली है। ये सभी विद्यार्थी 2024 की अद्यतन आयोजित हुई परीक्षा में सफल हुए हैं।

गौरतलब है कि नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता मिलती है। जेआरएफ में सफल विद्यार्थियों को पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान की जाती है। विवि के एप्लाइड जियोलाजी में चार छात्रों को नेट के साथ-साथ जेआरएफ में सफलता मिली है व एक छात्र ने नेट उत्तीर्ण किया है। वहीं गणित में 2, रसायनशास्त्र में 2, बायोटेक्नोलाजी में 2, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन 5 छात्र को लेक्चरशिप की पात्रता परीक्षा में सफल हुए हैं। विवि के न्यायिक विज्ञान एवं अपराधशास्त्र 14, इतिहास 5, प्राचीन इतिहास में 2, एप्लाइड जियोग्राफी में 4, लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन साइंस में 8, हिंदी में 9, संस्कृत में 5, अंग्रेजी में 10, वाणिज्य में 11, अर्थशास्त्र में एक, राजनीतिशास्त्र में 4, संचार एवं पत्रकारिता में एक, समाजशास्त्र में 3, शिक्षाशास्त्र में 13, संगीत में एक, योग विज्ञान में एक सहित 92 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है जिनमें से 18 छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली है। वहीं विश्वविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र के 28 विद्यार्थियों को इस वर्ष यूपीएससी की परीक्षा में सफलता मिली है। 28 छात्रों ने ग्रुप ए तथा 8 छात्रों ने ग्रुप बी की परीक्षाओं में सफलता दर्ज की है।

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 108 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा पास की है। ● नवदुनिया

कुलपति ने दी विद्यार्थियों को बधाई

विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को आमंत्रित कर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह आप अपने जीवन के हर परीक्षा में सफल हों और विवि का नाम रोशन करें। आप सभी की सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य छात्र भी प्रेरित होंगे। आने वाले दिनों में और अधिक संख्या में विद्यार्थी यूजीसी नेट/जेआरएफ, यूपीएससी और अन्य परीक्षाओं में सफल होंगे। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमावली के अनुसार जो विद्यार्थी नेट की परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं उनमें प्राप्त स्कोर के आधार पर वे विश्वविद्यालय के पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अब किसी प्रवेश परीक्षा में नहीं भाग लेना होगा।

विश्वविद्यालय के 108 छात्रों ने पास की नेट परीक्षा

22 को जूनियर रिसर्च फेलोशिप, कुलपति ने दी बधाई

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के विभिन्न विभागों के 108 विद्यार्थियों ने सीएसआईआर और यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें से 22 छात्र-छात्राओं को जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए भी पात्रता मिली है। ये सभी विद्यार्थी 2024 की अद्यतन आयोजित हुई परीक्षा में सफल हुए हैं। गौरतलब है कि नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहायक प्रोफ़ेसर पद की पात्रता मिलती है. जेआरएफ में सफल विद्यार्थियों को पीएचडी शोध के दौरान पांच वर्ष तक फेलोशिप प्रदान की जाती है.

विश्वविद्यालय के एप्लाइड जियोलॉजी में चार छात्रों को नेट के साथ-साथ जेआरएफ में सफलता मिली है तथा 01 छात्र ने नेट उत्तीर्ण किया है. वहीं गणित में 02, रसायनशास्त्र में 02, बायोटेक्नोलॉजी में 02, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन 05 छात्र को लेक्चरशिप की पात्रता परीक्षा में सफल हुए हैं. विश्वविद्यालय के न्यायिक विज्ञान एवं अपराधशास्त्र 14, इतिहास 5, प्राचीन इतिहास में 02, एप्लाइड जियोग्राफी में 4, लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस में 8, हिंदी में 9, संस्कृत में 5, अंग्रेजी में 10, वाणिज्य में 11, अर्थशास्त्र में 01, राजनीतिशास्त्र में 4, संचार एवं पत्रकारिता में 01, समाजशास्त्र में 3, शिक्षाशास्त्र में 13, संगीत में 01, योग विज्ञान में 01 सहित 92 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है जिनमें से 18 छात्रों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को आमंत्रित कर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसी तरह आप अपने जीवन के हर परीक्षा में सफल हों और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। आप सभी की सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य छात्र भी प्रेरित होंगे।

आयोजन विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के तहत निकाली रैली

भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्यार्थियों को किया जागरूक

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : शिक्षा शास्त्र विभाग डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय हायर सेकंडरी विद्यालय पथरिया जाट में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के लोगों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक किया गया।

विश्वविद्यालय के छात्रों ने सर्वप्रथम पथरिया जाट गांव में भ्रष्टाचार के विरुद्ध नारे लगाते हुए एक रैली निकाली। कार्यक्रम के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार जैन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने की बात की और कहा कि हमे यह संकल्प लेना होगा की न भ्रष्टाचार करेंगे और न होने देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य रजत मिंज ने की।

विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ● नवदुनिया

नाटक की दी प्रस्तुति : कार्यक्रम में सर्वप्रथम छात्र मयंक व लक्ष्मी ने अपना गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद अंशिका चौरसिया ने कठपुतली के माध्यम से भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विवि के छात्रों ने भ्रष्टाचार जागरूकता के संबंध में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। छात्रों को भ्रष्टाचार के विरोध में भ्रष्टाचार न करने को संबंध में शपथ भी दिलाई। धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डा. योगेश कुमार पाल एवं डा. अपर्णा श्रीवास्तव व मंच संचालन डाक्टर नवीन सिंह ने किया। कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग से डा. रश्मि जैन, धर्मेंद्र कुमार सर्राफ, अभिषेक कुमार प्रजापति, योगेश कुमार पाल, डा. रमाकांत, शिव शंकर यादव उपस्थित रहे।

वर्तमान में प्रचलित सभी विज्ञानों के मूल स्रोत वेद हैं: मिश्र

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डाक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में मंगलवार से 'वैदिक वाङ्मय में विज्ञान' विषय पर त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का विवि के अभिमंच सभागार में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन संगोष्ठी को यज्ञीय अनुष्ठान से विधिपूर्वक प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित, मां. सरस्वती की आराधना और गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा वेदों के बिना पूर्ण नहीं हो सकती। वेद विज्ञान से संबंधित विषय आयुर्वेद, ज्योतिष,जन्तुविज्ञान के वर्गीकरण, मत्स्यपालन, मधुमक्खीपालन आदि कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त कर भारतीय सभ्यता व संस्कृति से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.राजशेखर मिश्र ने अपने बीज वक्तव्य के उद्बोधन में वेदों में विज्ञान संबंधित सभी विषयों पर बताया कि अनुभवजन्य ज्ञान ही विज्ञान है ,जिसमें वेद संबंधित महत्त्वपूर्ण मंत्रों का सन्दर्भ सहित उल्लेख किए। उन्होंने वेदों में वृष्टि विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोलीय विज्ञान, सृष्टि विज्ञान, आयुर्वेद सहित वर्तमान में प्रचलित सभी विज्ञानों के मूल स्रोत वेद ही हैं। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश के कुलपति प्रो. जीएसआर कृष्णमूर्ति ने वैदिक परंपरा पर विचार-विमर्श करते हुए वैदिक परंपरा के लाभ के बारे में बताया।

कार्यक्रम के दौरान पत्रिका वेद विशेषांक का विमोचन किया गया। • नवदुनिया

संस्कृति के कोषागार के रूप में विद्यमान है वेद : प्रो सिंह

विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रो. अमलधारी सिंह ने वेद की सार्थकता पर चर्चा करते हुए कहा कि वेद संस्कृति के कोषागार के रूप में विद्यमान है। वेदज्ञान के बिना ज्ञान सुबोध नहीं हो सकता। विशिष्ट अतिथि प्रो. गणेशीलाल सुथार ने कहा कि वेद में अनेकता से एकता की ओर पथ पर चलने को कहा गया है। प्रथम विद्वत् सत्र में वक्ता डा. राघवेन्द्र शर्मा ने त्रिकाल संध्या का वैज्ञानिक चिंतन पर अपनी बातें रखी। डा. धनञ्जयमणि त्रिपाठी ने विचार व्यक्त किए। डा. नीरज शर्मा ने विचार रखें। अध्यक्षता डा. मिश्रीलाल, वाराणसी ने की। डा. सत्यकेतु, डा. सत्येन्द्र कुमार यादव, डा. भावप्रकाश गांधी, डा. संतप्रकाश, डा. सुधा, डा. दीपक तिवारी ने भी शोध पत्रों का वाचन किया।

वेदों में विज्ञान पर शोध पत्र

संगोष्ठी के प्रथम दिन शोधार्थियों ने वेदों में विज्ञान संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। सरस्वती वंदना में शिक्षा, ऋचा,आरजू,सुरभि,अर्पिता ने वैदिक मंगलाचरण में दीपेश,शैलेश,पवन, राजा, सुधांशु एवं स्वागत गीत में आरजू ने प्रतिभागिता की। सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा नाट्यम् - कालिदास विशेषांक व सागरिका पत्रिका वेद विशेषांक एवं संस्कृते विश्वं पुस्तक, एक परिचय पुस्तकों का विमोचन किया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का संचालन संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक नौनिहाल गौतम एवं आभार सजंय कुमार ने माना।

आयोजन श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नदी कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को किया सम्मानित

नदियों में किए शोध व अध्यक्ष के लिए मिला लाइफटाइम अवार्ड

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नदियों पर किए गए उनके शोध एवं अध्ययन एवं इस क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए श्रीलंका के साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रो. एसआर बसु मेमोरियल लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया है। प्रो. नीलिमा गुप्ता एक विश्व विख्यात वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लूएफ, एनजीटी को अपने बहुमूल्य शोध परिणामों को उपलब्ध करवाया और भारत सरकार यूजीसी, आइएनएसए, डीएसटी, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और राज्य सरकार (उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा स्वीकृत कई परियोजनाएं सफलतापूर्वक संचालित की।

श्रीलंका में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को सम्मानित किया गया। • नवदुनिया

मछलियों पर शोध करके प्रयोगशाला स्थापित की: प्रो. गुप्ता के शोध से उत्तर प्रदेश सरकार के लिए सेंटर आफ़ एक्सीलेंस भी स्वीकृत हुआ जिससे उन्होंने जल प्रदूषण व मत्स्य स्वास्थ्य पर उच्च कोटि की प्रयोगशाला स्थापित की।

मछली में पाए जाने वाले परजीवियों पर शोध करके 51 नई स्पीसीज (प्रजातियों) की खोज के लिए पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्गीकरण के सर्वोच्च सम्मान ईके जानकी अम्मल राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एक ओर जहां प्रो. गुप्ता ने उत्कृष्ट शोध कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर, समाज से लगातार जुड़कर कई किसानों को लाभान्वित भी किया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत विज्ञानियों में सम्मिलित हैं। 80 से अधिक सम्मानों से विभूषित, मध्य प्रदेश की पहली महिला मानद कर्नल कमांडेंट, बी डब्ल्यू एजुकेशन द्वारा भारत की शीर्ष 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न आदि सम्मानों से विभूषित हैं।

यह रहे मौजूद

यह सम्मान केलानिया विश्वविद्यालय श्रीलंका में डा. सत्यांजल पांडे, डिप्टी हाई कमीशनर, हाई कमीशन आफ इंडिया इन श्रीलंका प्रो. प्रशांथी नारनगोडा, डायरेक्टर व अध्यक्ष, कांउसिल आफ मेनेजमेंट एनसीएएस शिक्षा मंत्रालय, श्रीलंका कुलपति प्रो. नीलांथी रेनुका डिसिलवा, डा. बिस्वजीत राय चैधरी, अध्यक्ष साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर दक्षिण एशियाई देशों के विभिन्न प्रतिनिधि, केलानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों के निदेशक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।

श्रीलंका में कुलपति को सम्मानित किया

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नदियों पर किए गए उनके शोध एवं अध्ययन एवं इस क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए श्रीलंका के साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रो. एस. आर. बसु मेमोरियल लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया. यह सम्मान केलानिया विश्वविद्यालय श्रीलंका में डा. सत्यांजल पांडे, डिप्टी हाई कमीशनर, हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन श्रीलंका प्रो. प्रशांथी नारनगोडा, डायरेक्टर तथा अध्यक्ष, कांउसिल ऑफ मैनेजमेंट एनसीएएस शिक्षा मंत्रालय, श्रीलंका कुलपति प्रो. नीलांथी रेनुका डि सिलवा तथा डा. बिस्वजीत राय चौधरी, अध्यक्ष साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रदान किया गया. इस अवसर पर दक्षिण एशियाई देशों के विभिन्न प्रतिनिधि, केलानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों के निदेशक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो कि प्रो. नीलिमा गुप्ता एक विश्व विख्यात वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लूएफ, एनजीटी को अपने बहुमूल्य शोध परिणामों को उपलब्ध करवाया और भारत सरकार यूजीसी,

आईएनएसए, डीएसटी, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा राज्य सरकार (उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा स्वीकृत कई परियोजनाएं सफलतापूर्वक संचालित कीं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस भी स्वीकृत हुआ जिससे उन्होंने जल प्रदूषण तथा मत्स्य स्वास्थ्य पर उच्च कोटि की प्रयोगशाला स्थापित की। मछली में पाए जाने वाले परजीवियों पर शोध करके 51 नई स्पीसीज (प्रजातियों) की खोज के लिए पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्गीकरण के सर्वोच्च सम्मान ईके जानकी अम्मल राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया। 80 से अधिक सम्मानों से विभूषित, मध्य प्रदेश की पहली महिला मानद कर्नल कमांडेंट, बी डब्ल्यू एजुकेशन द्वारा भारत की शीर्ष 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न आदि अनेक सम्मानों से विभूषित प्रो. नीलिमा गुप्ता उच्च कोटि की वैज्ञानिक हैं। एक ओर जहाँ उन्होंने उत्कृष्ट शोध कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर, समाज से जुड़कर किसानों को लाभान्वित भी किया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में सम्मिलित हैं तथा रिर्सच गेट द्वारा 'लिनेनियन टैक्सोनोमी पर सबसे अधिक पढ़े गए (1,123) शोध आइटम' संदर्भित किए गए हैं।

कुलपति को श्रीलंका में सम्मान

नवभारत न्यूज

सागर, 12 नवंबर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नदियों पर किए शोध और अध्ययन के लिए श्रीलंका के साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने प्रो. एसआर बसु मेमोरियल लाइफ टाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया है.

यह सम्मान श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में हुए अंतरराष्ट्रीय नदी कांग्रेस में उन्हें दिया गया. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा ने चार दशक तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध किया.

नदियों पर किए गए उनके शोध व अध्ययन के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया

श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नदी कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, प्रो. एसआर बसु मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नदियों पर किए गए उनके शोध एवं अध्ययन एवं इस क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए श्रीलंका के साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रो. एस. आर. बसु मेमोरियल लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केलानिया विश्वविद्यालय श्रीलंका में डा. सत्यांजल पांडे, डिप्टी हाई कमीशनर, हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन श्रीलंका प्रो. प्रशांथी नारनगोडा, डायरेक्टर तथा अध्यक्ष, कांउसिल ऑफ मेनेजमेंट एनसीएएस शिक्षा मंत्रालय, श्रीलंका कुलपति प्रो. नीलांथी रेनुका डि सिलवा तथा डा. बिस्वजीत राय चैधरी, अध्यक्ष साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर दक्षिण एशियाई देशों के विभिन्न प्रतिनिधि, केलानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों के निदेशक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक

उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो कि प्रो. नीलिमा गुप्ता एक विश्व विख्यात वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लूएफ, एनजीटी को अपने बहुमूल्य शोध परिणामों को उपलब्ध करवाया और भारत सरकार यूजीसी, आईएनएसए, डीएसटी, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा राज्य सरकार (उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद) द्वारा स्वीकृत कई परियोजनाएं सफलतापूर्वक संचालित कीं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस भी स्वीकृत हुआ जिससे उन्होंने जल प्रदूषण तथा मत्स्य स्वास्थ्य पर उच्च कोटि की प्रयोगशाला स्थापित की। मछली में पाए जाने वाले परजीवियों पर शोध करके 51 नई स्पीसीज (प्रजातियों) की खोज के लिए पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें वर्गीकरण के सर्वोच्च सम्मान ईके जानकी अम्मल राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया।

80 से अधिक सम्मानों से विभूषित, मध्य प्रदेश की पहली महिला मानद कर्नल कमांडेंट, बी डब्ल्यू एजुकेशन द्वारा भारत की शीर्ष 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शामिल, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न आदि अनेक सम्मानों से विभूषित प्रो. नीलिमा गुप्ता उच्च कोटि की वैज्ञानिक हैं। एक ओर जहाँ उन्होंने उत्कृष्ट शोध कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर, समाज से जुड़कर किसानों को लाभान्वित भी किया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में सम्मिलित हैं तथा रिर्सच गेट द्वारा 'लिनेनियन टैक्सोनोमी पर सबसे अधिक पढ़े गए (1,123) शोध आइटम' संदर्भित किए गए हैं।

नदी, कुआं, नल के बाद हम आज बोतल बंद पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, यह परिवर्तन कई गहरे संकेत करता है: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय में तीसरी अंतरराष्ट्रीय रिवर कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्तव्य दिया। साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट-सेंटर फॉर रिवर अफेयर्स के आमंत्रण पर पहुंची कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा भारत में गंगा नदी का स्थान लोगों के जीवन में सदियों से पवित्र नदी के रूप में रहा है।

हमारे पूर्वज पहले नदी का जल ग्रहण करते थे, फिर उनका स्थान कुओं ने लिया, फिर हम नल का उपयोग करने लगे और आज हम पीने के लिए बोतल बंद पानी इस्तेमाल करते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी यह परिवर्तन हमें स्वच्छ जल के भविष्य के प्रति कई गहरे संकेत करता है। उन्होंने भारत में नदियों की व्यवस्था को स्पष्ट करते हुए इंडस बेसिन, गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना बेसिन और कावेरी, कृष्णा, गोदावरी सहित अन्य बेसिनों एवं इसके परिक्षेत्र, इनकी सहायक नदियों, इनके महत्व और इन जल स्रोतों के समक्ष आ रही चुनौतियों को रेखांकित करते हुए विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि नदियां विविध जलीय जीव प्रजातियों को न केवल आवास प्रदान करती हैं बल्कि खनिज और पोषक तत्वों की आपूर्ति को बनाए रखने में, बाढ़ के क्षेत्रों और आर्द्र भूमि के जलस्तर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। नदियों की पारिस्थितिकी जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा औद्योगिक कचरे, कृषि में उपयोग किए जाने वाले उर्वरक, कीटनाशक, शहरी इलाकों से निकलने वाले दूषित जल, प्लास्टिक और ठोस वर्ज्य पदार्थ आज भारत की नदियों के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने विभिन्न कर्मकांडों, धार्मिक क्रियाकलापों, मूर्ति विसर्जन, शव विसर्जन जैसे उदाहरण देते हुए कहा कि जिस गंगा जल को हम पूजते हैं, पीने में उपयोग करते हैं, क्या वह आज स्वस्थ, स्वच्छ और पवित्र बचा रह गया है? अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में श्रीलंका में इंडियन हाई कमिश्नर डॉ. सत्यांजल पांडे से कुलपति की विस्तृत चर्चा के दौरान कुलपति ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को साझा किया तथा श्रीलंकन विश्वविद्यालयों के साथ समझौते की पहल की। भविष्य में केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा श्रीलंका के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक तथा शोध समझौते के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा यूजीसी रेगुलेशन के आधार पर ड्युअल डिग्री प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम संचालित कर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को लाभ मिल सकेगा।

स्मृति को सहेजेंगे | देश की रक्षा में तत्पर तीनों विंग की संरचना एवं रैंक की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी

संग्रहालय में रखे जाएंगे सेना के जहाज, टैंक और एयरक्राफ्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक कुलपति सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित की गई।

बैठक में कुलपति ने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार महार रेजिमेंट एवं भारतीय सेना के विभिन्न शाखाओं के सहयोग से संग्रहालय में प्रदर्शनी में टैंक, एयरक्राफ्ट, सेना के जहाज एवं अन्य सैन्य सामग्री भी प्रदर्शनी के लिए रखी जाएगी।

संग्रहालय में देश की रक्षा में तत्पर तीनों विंग की संरचना एवं रैंक की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। देश की रक्षा के लिए मिलने वाले विभिन्न अवॉर्ड एवं पदकों की जानकारी के प्रदर्शन के साथ भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों में रोजगार के अवसरों के बारे में भी जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

सागर. विश्वविद्यालय में संग्राहलय को लेकर हुई बैठक।

आगामी चरण में भारतीय थल सेना, जल सेना एवं नभ सेना के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई सामग्री भी प्रदर्शनी के लिए रखी जाएगी, जिसमें सागर, बुंदेलखंड एवं मध्य प्रदेश के बलिदानी वीर जवानों की स्मृति को भी सहेजा जाएगा।

बैठक में संग्रहालय की समन्वयक प्रो. श्वेता यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. बीके श्रीवास्तव, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. संजय शर्मा एवं डॉ. सुमन पटेल उपस्थित रहे।

गौर संग्रहालय में डॉ. गौर की दुर्लभ जानकारी मिलेगी, लोककला देशज परंपराओं से भी हो सकेंगे रूबरू

विवि : पथरिया वैली कैंपस में बन रहा संग्रहालय, कुलपति बोलीं- गौर जयंती पर शुरुआत का प्रयास

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में कुलपति सभाकक्ष में बैठक हुई। जिसमें संग्रहालय के जल्द संचालन की तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश दिए गए। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक ऐसे संग्रहालय को स्थापित करना है जो शौर्य, संस्कृति और कला का अद्भुत केंद्र बने। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से संग्रहालय की शुरुआत की जाएगी। संग्रहालय का निर्माण विश्वविद्यालय

के प्राथमिक कार्यों में है और हमारा प्रयास है कि गौर जयंती पर डॉ. गौर संग्रहालय की शुरुआत कर सकें। पहले चरण में डॉ. हरीसिंह गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियां मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियां एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया जाएगा।

जनजातीय नायकों के संघर्ष को भी मिलेगा स्थान

आगामी चरण में भारतीय थल सेना, जल सेना एवं नभ सेना के शौर्य को प्रदर्शित करती हुई सामग्री भी प्रदर्शनी के लिए रखी जाएंगी। भारतीय वीर जवानों के शौर्य एवं बलिदान को प्रदर्शित करते हुए कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। जिसमें सागर, बुंदेलखंड एवं मध्यप्रदेश के बलिदानी वीर जवानों की स्मृति को भी सहेजा जाएगा। जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया जाएगा।

विवि में गोबर व मिट्टी से किया सृजनात्मक वस्तुओं का निर्माण

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के कामधेनु अनुसंधान एवं अध्ययन केंद्र ने आचार्य शंकर भवन में गाय के गोबर एवं मिट्टी के मिश्रण से सृजनात्मक उपयोगी कलाकृतियों के निर्माण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कार्यशाला का शुभारंभ किया।

इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के 72 छात्रों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यशाला में कामधेनु शोध एवं अध्ययन केंद्र के समन्वयक सहित बड़ी संख्या में फैकल्टी, शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित थे।

विवि : 200 शासकीय सेवकों की जांच, 32 का बीएमआई सामान्य से ज्यादा, इतनों को ही डायबिटीज, 21 को हाई बीपी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में दो दिन में 200 शासकीय सेवकों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया है। इसमें जो जानकारी निकलकर आई है उसके मुताबिक 18 लोगों को फेफड़े और श्वसन संबंधी रोग पाया गया है। 32 लोगों को मधुमेह, 68 को ओस्टियोपेनिया, 16 लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस है। जबकि 32 लोगों का बीएमआई सामान्य से अधिक आया है।

पहली बार जांच करने पर 21 लोगों को उच्च रक्तचाप का पता चला है। स्वास्थ्य शिविर संयोजक डॉक्टर अभिषेक कुमार जैन ने बताया कि शिविर में पलमोनरी फंक्शन टेस्ट यानी फेफड़ों की क्षमता जांचने का परीक्षण, बोन मिनिरल डेंसिटी अर्थात हड्डियों की गुणवत्ता की जांच आदि का परीक्षण मशीनों से कराया गया। सामान्य परीक्षण के साथ-साथ ब्लड शुगर, बीएमआई कलर ब्लाइंडनेस, रक्तचाप आदि का परीक्षण भी किया जा रहा है। इसके साथ आगंतुकों को कैल्शियम और विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। गुरुवार को स्वास्थ्य शिविर का अंतिम दिन है। जिसमें स्वच्छता विभाग, यंत्री विभाग, सुरक्षा विभाग, ईएमएमआरसी डिपार्टमेंट के स्थाई अधिकारी और कर्मचारी, महिला क्लब के सदस्य और सेवानिवृत शिक्षक और कर्मचारी स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ ले सकते हैं। शिविर में डॉ अभिषेक कुमार जैन, डॉ. किरण एवं डॉ भूपेंद्र आदि द्वारा परीक्षण और परामर्श दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अरुण सरोठिया, जयप्रकाश, भगत सिंह, प्रमोद पटेल, वंदना कुर्मी, दुर्गेश चौबे, अर्जुन रैकवार, अरुण कुनसिया, विकास जैन, बृजेश दुबे, प्रहलाद, मुकुल, अभय खटोल आदि के द्वारा भी शिविर संचालन में सहयोग किया जा रहा है।

'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन' विषय पर हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) का राजभाषा प्रकोष्ठ विश?वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करता है। इस अनुक्रम में 14 नवम्बर, 2024 को आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार, हिन्दी विभाग में विश्वविद्यालय के अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों हेतु 'राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन' विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. राजेन्द्र यादव ने प्रतिभागियों को राजभाषा की संकल्पना से अवगत कराते हुए बताया कि कार्यालयीन कामकाज में समुचित सम्प्रेषण के लिए सटीक शब्दों एवं सहज भाषा का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक पत्राचार, टिप्पण एवं आलेखन में शब्दों का चयन विशेष महत्व रखता है। एक सच्ची, सटीक व सकारात्म?क टीप किसी भी मसले को सहजता से हल करने में सहायक हो सकती है। उन्होंने बताया कि अच्छे लेखन के लिए अभ्यास तथा निरंतर नए शब्द सीखते रहना नितांत आवश्यक है। हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों तथा राजभाषा नियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आठवीं अनुसूची में दर्ज भारतीय भाषाओं सहित हिन्दी का विकास हम सब की प्राथमिकता में होना चाहिए। इससे न केवल कार्यालयीन कामकाज बल्कि हमारे दैनन्दिन जीवनचर्या में भी भाषायी समृद्धि सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यशाला की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पाल ने बताया कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कार्मिक होने के नाते हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना हमारी प्रशासनिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रतिभागियों को राजभाषा की प्रगामी प्रगति की दिशा में विश्वविद्यालय में प्रवृत्त विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से अवगत कराते हुए सभी से अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आवाहन किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए राजभाषा नीति और प्रशासनिक शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। ध्यातव्य है कि अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों के लिए कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय माननीया कुलपति महोदया की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक में लिया गया था। समिति के सदस्य-सचिव संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि हिन्दी कार्यशालाएं कार्मिकों को हिन्दी में कार्यालयीन कामकाज करने के लिए प्रेरित करने, राजभाषा नियमों से अवगत कराने तथा राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं के निराकरण करने में महती भूमिका निभाती हैं। कार्यशाला में रजनीश जैन, रोहित रघुवंशी, उमेश कुमार चढ़ार, डॉ. उदय श्रीवास्तव, अजब सिंह, प्रेमसागर गुजरे, मनोज कुमार कावड़े, विजय कुमार रजक, शेखर हेडाउ, जयप्रकाश, पवन कुमार कोरी, सतीश कुमार सरल एवं श्रीमती लक्ष्मी जाटव सहित 13 अनुभाग अधिकारियों एवं कार्यालय सहायकों ने प्रतिभागिता की। विशिष?ट उपस्थिति हिन्?दी विभाग के सह-प्राध?यापक डॉ. संजय नैनवाड़, सहायक प्राध?यापक डॉ. अरविंद कुमार एवं ईएमएमआरसी, सागर के श्री माधव चंद्रा की रही कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग उच्च श्रेणी लिपिक विनोद रजक का रहा। आभार ज्ञापन अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन ने किया।

त्रिदिवसीय संगोष्ठी का हुआ समापन

वैदिक विज्ञान से किया जा सकता है नव साहित्य का सृजन: विजय कुमार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि के संस्कृत विभाग एवं महर्षि महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का समापन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में हुआ।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि सीजे कुलपति प्रो. विजय कुमार जैन ने कहा कि वैदिक विज्ञान से ही नव साहित्य का सृजन किया जा सकता है। वेदों में विज्ञान के बोध के लिए मुख्य रूप से तीन दृष्टि प्रतिबिंबित किए हैं, जिसमें सांस्कृतिक व सामाजिक, राजनीतिक व भौगोलिक एवं वैज्ञानिक महत्व आदि विषय शामिल थे। वैदिक ज्ञान व विज्ञान का समन्वय बिगड़ जाने पर भारतीय सामाजिक व्यवस्था में शिथिलता उत्पन्न होती है। सारस्वत अतिथि राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी ने वैदिक मंत्रों के वर्णों की व्युत्पत्ति को सारगर्भित रूप में प्रतिपादित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रो. अमलधारी सिंह ने वेद की सार्थकता पर चर्चा करते हुए कहा - वेदो रक्षति रक्षतः। वेद संस्कृति के कोषागार के रूप में विद्यमान है। वेदज्ञान के बिना ज्ञान सुबोध नहीं हो सकता। समापन सत्र की अध्यक्षता संगोष्ठी के निदेशक व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने की। सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि त्रिदिवसीय वैदिक संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आमंत्रित 60 विद्वान उपस्थित हुए। इनको 11 सत्रों में आयोजित किया गया।

'वैदिक विज्ञान द्वारा ही नवसाहित्य का सृजन किया जा सकता है'

• त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी सम्पन्न

विवि में त्रिदिवसीय अखिलभारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में 'वैदिक वाङ्मय में विज्ञान' विषय पर त्रिदिवसीय अखिलभारतीय वैदिक संगोष्ठी का समापन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में हुआ।

स्वागत भाषण देते हुए संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. शशिकुमार सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान प्रदान करना सर्वश्रेष्ठ कर्म है। सीजे कुलपति प्रो.विजय कुमार ने बताया कि वैदिक विज्ञान द्वारा ही नवसाहित्य का सृजन किया जा सकता है। वेदों में विज्ञान के बोध हेतु मुख्य रूप से तीन दृष्टि प्रतिबिंबित किए जिसमें सांस्कृतिक व सामाजिक ,राजनीतिक व भौगोलिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व आदि विषय शामिल थे। वैदिक ज्ञान व विज्ञान का समन्वय बिगड़ जाने पर भारतीय सामाजिक व्यवस्था में शिथिलता उत्पन्न होती है।

वर्णों की व्युत्पत्ति को किया सारगर्भित रूप में प्रतिपादित

सारस्वत अतिथि के रूप में पधारे राष्ट्रपति सम्मानित प्रो.रहस बिहारी द्विवेदी ने वैदिक मंत्रों के वर्णों की व्युत्पत्ति को सारगर्भित रूप में प्रतिपादित किया। प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. सञ्जय कुमार ने बताया कि त्रिदिवसीय वैदिक संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आमंत्रित 60 विद्वान उपस्थित हुए। इनकों 11 सत्रों में आयोजित किया गया। आज समापन सत्र से पूर्व दो विद्वत् सत्र आनलाइन व आफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। समापन सत्र की अध्यक्षता संगोष्ठी के निदेशक व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने की।

64 प्रकार की विद्या का उल्लेख

आफलाइन विद्वत् सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर अम्बिकादत्त शर्मा ने की अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विज्ञान की विशेषता व 64 प्रकार की विद्या का उल्लेख किए। सत्र का संचालन डा. प्रदीप दुबे ने की। आनलाइन की अध्यक्षता प्रोएपी मिश्रा ने की जिसमें उन्होंने वैदिक रसायनविज्ञान पर चर्चा की। इस सत्र का सञ्चालन डा. ऋषभ भरद्वाज ने किया। समापन सत्र में संस्कृत विभाग के छात्र - छात्राओं द्वारा वैदिक मंगलाचरण व सामगान किया गया। समापन सत्र में संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक शशिकुमार सिंह द्वारा मंच संचालन किया गया, संजय कुमार द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि वेद साक्षात् ईश्वर की वाणी है। धन्यवाद ज्ञापन डा. रामहेत गौतम ने किया। सदानंद त्रिपाठी एवं सत्येंद्र कुमार यादव के द्वारा संगोष्ठी की प्रतिपुष्टि दी गई।

सच्ची, सटीक टीप किसी भी मसले को हल करने में सहायक हो सकती है : प्रो. यादव

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आचार्य नंददुलारे वाजपेयी सभागार में विवि के अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों के लिए राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विषय पर हिंदी कार्यशाला हुई। हिंदी विभाग के प्रो. राजेंद्र यादव ने कहा कार्यालयीन कामकाज में समुचित संप्रेषण के लिए सटीक शब्दों एवं सहज भाषा का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। प्रशासनिक पत्राचार, टिप्पण एवं आलेखन में शब्दों का चयन विशेष महत्व रखता है। एक सच्ची, सटीक व सकारात्मक टीप किसी भी मसले को सहजता से हल करने में सहायक हो सकती है। अच्छे लेखन के लिए अभ्यास तथा निरंतर नए शब्द सीखते रहना नितांत आवश्यक है। डॉ. हिमांशु कुमार ने कहा आठवीं अनुसूची में दर्ज भारतीय भाषाओं सहित हिंदी का विकास हम सब की प्राथमिकता में होना चाहिए। इससे न केवल कार्यालयीन कामकाज बल्कि हमारे दैनंदिनी जीवनचर्या में भी भाषायी समृद्धि सुनिश्चित हो सकेगी। सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल ने बताया केंद्रीय विश्वविद्यालय के कार्मिक होने के नाते हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना हमारी प्रशासनिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए राजभाषा नीति और प्रशासनिक शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी की गई। अनुभाग अधिकारियों एवं सहायकों के लिए कार्यशाला करने का निर्णय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में विवि राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 46वीं तिमाही बैठक में लिया गया था।

समस्या के निराकरण में कार्यशाला महत्वपूर्ण

समिति के सदस्य सचिव, संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया हिंदी कार्यशालाएं कर्मिकों को हिंदी में कार्यालयीन कामकाज करने के लिए प्रेरित करने, राजभाषा नियमों से अवगत कराने तथा राजभाषा कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं के निराकरण करने में महती भूमिका निभाती हैं। कार्यशाला में डॉ. संजय नैनवाड़, डॉ. अरविंद कुमार, माधव चंद्रा, डॉ. उदय श्रीवास्तव, अजब सिंह, प्रेमसागर गुजरे, मनोज कुमार कावड़े, विजय कुमार रजक, शेखर हेडाउ, जयप्रकाश, विनोद रजक आदि मौजूद थे। संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया। आभार रजनीश जैन ने माना।

हर्षोल्लास से मनाया बाल दिवस

केंद्रीय विद्यालय में बाल मेले का आयोजन किया गया। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः केंद्रीय विद्यालय क्र.4 में बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें बचपन पर आधारित कविता, नृत्य, भाषण आदि कार्यक्रम शामिल रहे, जिसका संचालन विद्यालय के शिक्षक आनंद कुमार जैन ने किया। इसके बाद प्राथमिक कक्षाओं के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया जिसका प्रारंभ विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा एवं वरिष्ठ शिक्षिका अनीता डोंगरे ने हरी झंडी दिखा कर किया। खेलों में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे की नींबू दौड़, बोतल दौड़, रस्साकशी आदि खेल शामिल रहे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया।

सत्यनिष्ठा एवं प्रसन्नता एक सिक्के के दो पहलू : प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। केन्द्रीय सतर्कता आयोग भारत सरकार के निदेर्शानुसार विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2024 का साप्ताहिक कार्यक्रम 8 से 13 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में दिनांक 13 नवम्बर 2024 को ग्राम सभा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। प्रो. गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहायता एवं सहकारिता के माध्यम से भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है। सत्यनिष्ठ एवं प्रसन्नता एक सिक्के के दो पहलू हैं। प्रसन्नचित नागरिक के निर्माण में सत्यनिष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) आलोक मिश्रा ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सत्यनिष्ठा की संस्कृति को राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। कर्तव्य को सत्यनिष्ठा से संपादित करना ही सच्ची देशसेवा है। इसी के साथ ही कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेक के.वी. (आई.ए.एस.), सीईओ ने ग्रामीण विकास के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। सहकारिता एवं आशा परिस्थिति को परिवर्तित कर सकती है। कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व नोडल अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया। पंच, सरपंच एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया एवं समूह के सदस्यों द्वारा जैविक उत्पादों के प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन में समन्वयक डॉ. नवीन सिंह, मंच संचालिका डॉ. चिन्तन वर्मा एवं डॉ.अनूपी समैया, विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम की संयोजक एवं विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रश्मि जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।ः

जनजातीय ज्ञान के बिना भारतीय ज्ञान अधूरा है: कुलपति

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय एवं जनजातीय मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय समाज एवं संस्कृति में जनजातीय समाज की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत जनजातीय कौशल, संस्कृति एवं जीवन शैली की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ जाती है।

यदि हम आज 150 वर्ष बाद भी किसी महानायक की जयंती मना रहे है, उसके कार्यो को याद कर रहे है तो वह हमारे लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणा स्त्रोत है। यदि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति को समझना है तो हमें जनजातीय ज्ञान दर्शन एवं परंपरा को समझना आवश्यक है। जनजातीय ज्ञान के बिना भारतीय ज्ञान दर्शन अधूरा है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर विवि परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन व संघर्ष पर रखे विचार

मुख्य वक्ता मानवशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन एवं संघर्ष पर विश्लेषणात्मक विवेचना पर अपना पक्ष रखा। विशिष्ट अतिथि प्रो, एडी शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा जनजातीय समस्याओं के लिए ग्रामीण एवं शहरी विकास के अंतर्गत होने वाले भेदभाव को रेखांकित किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रो, दिवाकर सिंह राजपूत, अधिष्ठाता, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा जनजातीयों का अंग्रेजी शासन से संघर्ष एवं एकजुटता से सीख लेने एवं समानता एवं मौलिक अधिकारों को समाज एवं हर वर्ग के लिए आवश्यक बताया। समाज सेवी संध्या शाह एवं विश्वविद्यालय महिला समाज अध्यक्ष ओमिका सिंह ने भी कार्यक्रम में विचार प्रस्तुत किए।

कुशलतम उपयोग से ही धारणीय विकास संभव है

इस कार्यक्रम के संयोजक डा. केशव टेकाम, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसके अंतर्गत उन्होंने बताया की प्राचीन काल से विद्यमान जनजातीय जीवन शैली न्यूनतम संसाधनों का कुशलतम उपयोग से ही धारणीय विकास संभव हो सकता है।

कार्यक्रम के अंत में आभार डा. वीरेन्द्र मटसेनिया, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिया गया। मंच संचालन शोधार्थी आर्ची जैन एवं काजल सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डा. एसपी. गादेवार, वरिष्ठ प्रो.देवाशीष बोस, प्रो. उमेश पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, सुरक्षा अधिकारी, प्रो. राजेन्द्र यादव, उपकुलसचिव सतीश कुमार, मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल, एनएसएस प्रभारी डा. संजय शर्मा,डा. वीना थावरे, डा. देवेन्द्र विश्वकर्मा, डा. राजीव उपस्थित रहे।

गौर जयंती पर 11 दिनों का उत्सव • कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा- गौर संग्रहालय, कटरा में मनोरंजन केंद्र शुरू होगा

गौर उत्सव के विजेताओं को डॉ. गौर, ओशो, पद्माकर, लाखा बंजारा, ईसुरी के नाम पर दिए जाएंगे पुरस्कार

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर का 155वां जन्म दिवस गौर उत्सव के रूप में इस बार 11 दिन मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव, तो 26 से 30 नवंबर तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव गौर-गौरव उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

यह जानकारी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा गौर जयंती का परंपरागत कार्यक्रम तीन बत्ती से लेकर विवि तक पूरे उत्साह से हर साल की तरह ही होगा। डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। डॉ. गौर की जयंती पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें। उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके। कुलपति ने कहा डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। हमने एक प्रस्ताव भी पूरे तथ्यों के साथ मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में दिया है। इसी मांग को लेकर युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

गौर पीठ के लिए दान करने वालों का होगा सम्मान

गौर जयंती के दिन गौर पीठ की स्थापना के लिए 1 लाख रुपए या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा। उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की। इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा। यह केवल विश्वविद्यालय का ही नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है। गौर उत्सव के आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनंदन है।

मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 1200 विद्यार्थी लेंगे हिस्सा, पच बधाव भी निकलेगा

गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. डीके नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं। सांस्कृतिक रैली में डॉ. गौर का पच बधाव निकलेगा। बंगला पान, चिरौंजी की बर्फी, गुजराती नमकीन आदि से सबका स्वागत होगा। पूरा आयोजन बुंदेली परंपरा के अनुसार होगा। पच बधाव में किताबें भी लाइब्रेरी के लिए उपहार में मिलेंगी। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। इस मौके पर सह समन्वयक प्रो. ऋतु यादव, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, समर्थ दीक्षित, प्रवीण राठौर आदि मौजूद थे।

28 विधाओं में होंगी प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। इसमें सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में ही रहेगी। युवा उत्सव के विजेताओं को लाखा बंजारा, हरीसिंह गौर, ईशुरी, आचार्य रजनीश ओशो, कवि पद्माकर, विष्णु पाठक, प्रेम गुरुजी, चुन्नीलाल रैकवार, श्यामाकांत मिश्रा, दिनेश भाई पटेल, महेंद्र मेवाती, कृष्णगोपाल श्रीवास्तव, विठ्ठल भाई पटेल, कामता प्रसाद गुरु, सहोदरा बाई, शिवकुमार श्रीवास्तव, अब्दुल गनी आदि के नाम पर विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

गौर जयंती व 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वार्ता

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयासः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआईयू नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है।

पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके।

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं। उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें। इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गौर जयन्ती के दिन 'गौर पीठ' की स्थापना के लिए एक लाख रूपये या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा। उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की। इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है। उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुंचाएं, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

दैनिक जन चिंगारी — **सागर/आस पास**

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयासः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वाता

जनचिंगारी-9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके।

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

विश्वविद्यालय एकादश-ए और पत्रकार एकादश की टीमें सेमीफाइनल में पहुंची, आज भी 2 मैच होंगे

गौर उत्सव : टी-20 मैत्री टूर्नामेंट के मुकाबले विवि मैदान पर हुए शुरू, कुलपति गुप्ता ने किया टॉस

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ हरीसिंह गौर जयंती के उपलक्ष्य में खेलकूद गतिविधियों में बुधवार को टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का शुभारंभ विवि मैदान पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। पहला मैच डॉ. हरीसिंह गौर विवि एकादश-ए टीम एवं सम्बद्ध महाविद्यालय टीम के बीच हुआ। टॉस जीतकर संबद्ध महाविद्यालय ने डॉ हरीसिंह गौर विवि को पहले बल्लेबाजी करने को आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाए। नवनीत कुमार ने 54 बॉल पर 73 रनों की शानदार पारी खेली। सम्बद्ध महाविद्यालय की ओर से गेंदबाजी करते हुए सिद्धार्थ ने 2, अंकित एवं शमीर ने एक-एक विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सम्बद्ध महाविद्यालय की टीम निर्धारित 20 ओवर में 151 रन ही बना सकी। सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने बनाए। विवि की ए टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता का दूसरा मैच पत्रकार एकादश एवं विश्वविद्यालय-बी टीम के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए। सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली। पत्रकार की ओर से गेंदबाजी करते हुए दानिश ने 5 विकेट, भूपेंद्र एवं दिनेश ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार एकादश की टीम ने 7 विकेट से जीत अर्जित की। सर्वाधिक शशांक ने 45 रनों की पारी खेली। शानू ने 22 एवं सोमू ने 16 और दिनेश ने 13 रन बनाए। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने की।

विशिष्ट अतिथि प्रो. डीके नेमा, प्रो. सुबोध जैन, प्रो. एनपी सिंह, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. अनिल जैन, प्रो एसएच आदिल, प्रो. ऋतु यादव, डॉ. एसपी गादेवार रहे। निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. विवेक बी साठे ने स्वागत भाषण और प्रतियोगिता की जानकारी दी।

अब्दुल गनी खान स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

क्रिकेट प्रतियोगिता से गौर उत्सव का आगाज, आज से आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

155वीं जयंती पर विशेष पत्रिका

सागर के गौरव 'सर गौर'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को गौर उत्सव का आगाज क्रिकेट प्रतियोगिता से हुआ। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई। सुबह की पाली में टूर्नामेंट की शुरुआत में विश्वविद्यालय एकादश टीम ए और संबद्ध कॉलेज एकादश के बीच पहला मैच हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ने 20 ओवर में 155 रन का लक्ष्य रखा। जिसका पीछा करते हुए संबद्ध कॉलेज एकादश की टीम 149 रन ही बना सकी। विश्वविद्यालय एकादश टीम ए ने यह मैच 6 रन से जीता। वहीं दूसरा मैच पत्रकार इलेवन और विश्वविद्यालय एकादश टीम बी के बीच खेला गया। जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 119 रन बनाए। विश्वविद्यालय की ओर से अंजनेय ने अर्द्ध शतकीय पारी खेली। वहीं पत्रकार इलेविन की ओर से दानिश खान ने 5 विकेट झटके। वहीं दिनेश परिहार और भूपेंद्र प्रजापति ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार इलेवन की टीम ने 15 ओवर में ही 123 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया, जिसमें शशांक दुबे ने 55 रन की शानदार पारी खेली। इस जीत के साथ पत्रकार इलेवन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब शुक्रवार को पत्रकार इलेवन और विश्वविद्यालय एकादश टीम बी के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के अंपायर वैभव, शिवांशु यादव, अमन दुबे, रुद्रांश रहे एवं स्कोरर नैन्सी कुर्मी और आदित्य बेन रहे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र बाथम ने किया एवं आभार डॉ. सुमन पटेल ने माना। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवेक साठे, महाविद्यालयीन प्रतिनिधि डॉ. राजू टंडन, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. विवेक जायसवाल, शिक्षक, अधिकारी, छात्र एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

आज ये कार्यक्रम होंगे

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय का गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 11 बजे से होगा। एडवोकेट एकादश एवं एमपीईबी एकादश के बीच क्रिकेट मैच सुबह 9.30 बजे से होगा। स्कूल शिक्षा एवं जिला प्रशासन एकादश के मध्य दोपहर 1.30 बजे से खेला जाएगा। छात्र-छात्राओं के लिए अंतर अध्ययनशाला स्वदेशी खेल कबड्डी और रस्साकसी सुबह 11 बजे से आयोजित होगी।

गौर उत्सव • विश्वविद्यालय में संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया

डॉ. गौर देश के अनमोल रत्न, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं: पटेल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव-2024' का आयोजन किया जा रहा है। 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर ने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि नव स्थापित राजकीय विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा। डॉ. गौर का व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है। वे संकल्प के साथ कार्य करते थे। संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं। अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयंती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं, जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा। डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि रानी अवंतीबाई राजकीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विनोद मिश्रा ने कहा डॉ. गौर द्वारा शिक्षा के लिए दान करना उनकी शिक्षा के प्रतिबद्धता और संकल्प को दर्शाता है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, डीसीडीसी प्रो एनपी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मौजूद थे। स्वागत डॉ. सुशील गुप्ता एवं संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया। विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की प्रस्तुति दी। बीटी इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेंस, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बीकेपी महाविद्यालय मालथौन, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओमश्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महाविद्यालय एवं अन्य संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। अतिथियों ने गौर समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की।

यश चाहते हैं तो शिक्षा का मंदिर बनाएं

आयोजन ● डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल बोले

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती पर आयोजित गौर उत्सव के दौरान गुरुवार को विवि परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विवि के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि यदि आप पीढ़ियों तक अपना यश चाहते हैं तो शिक्षा का मंदिर तैयार करें और इसे एक संकल्प के रूप में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि एक बार किए गए संकल्प में फिर विकल्प का स्थान नहीं रहता। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी संकल्प की ताकत को समझे, विचार के प्रति समर्पण की ताकत को समझे। हम जो संकल्प जीवन में लें उसके प्रति विकल्प कभी स्वीकार न करें। डा. गौर का जीवन भी की बड़े संकल्पों की प्रतिमूर्ति है। हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। डा. गौर जैसे बहुआयामी व्यक्तित्व हमारे जीवन में न केवल प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं बल्कि सामाजिक सरोकार और समाज के प्रति अपने दायित्व, अपनी जिम्मेदारी की ओर भी इंगित करते हैं। उन्होंने कहा की गौर साहब अधिवक्ता, लेखक, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, दानी और ऐसे व्यक्तित्व के धनी थे जो आगे आने वाली परिस्थितियों को देख सकते थे। आजादी के 75 साल बाद भी हम महसूस कर सकते हैं कि जो पाठ्यक्रम, सुविधाएं सागर केंद्रीय विश्वविद्यालय में हैं वे देश के अन्य बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में भी नहीं। यह हमारे लिए गौरव की बात है।

डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे। • नवदुनिया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री प्रहलाद पटेल। • नवदुनिया

पूरा नवंबर माह गौरमय है: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर की जन्म जयंती हम सभी के लिए एक पर्व की तरह है। उन्होंने कहा कि पूरा नवंबर माह गौरमय है। इस बार हम सभी 11 दिवसीय गौर पर्व मना रहे हैं, जो 20 तारीख से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यह डाक्टर गौर की दूरगामी दृष्टि का ही परिणाम है कि यहां से पढ़े पूर्व छात्र देश विदेश में हर विधा, हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और सागर सहित संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्ण रूप से अपने वाला अग्रणी विवि है यहां नए पाठ्यक्रमों, विधाओं को शामिल किया जा रहा है।

डा. गौर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर की है :

इस अवसर पर रानी अवंती बाई विश्वविद्यालय के प्रथम कुलगुरु डा. वीके मिश्रा ने कहा कि डा. गौर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे महान व्यक्ति जिन्होंने अपने जीवन की पूरी पूंजी शिक्षा जैसे महान दान में लगा दी, उसने अपने जीवन मूल्यों से सम्पूर्ण शिक्षा जगत को गौरवान्वित किया है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, गौरव सिरोठिया, सीइओ विवेक केवी, कुलसचिव डीसीडीसी, आशीष उपाध्याय, अजय श्रीवास्तव, राजू टंडन, अवनीश मिश्रा, सुशील गुप्ता, रश्मि श्रीवास्तव, योगिता पटेरिया, संजू राठौर मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

नृत्य की प्रस्तुति देती हुई छात्राएं।

सागर : गुरुवार को विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बीटी इन्स्टीटयूट आफ एक्सीलेंस विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बीटी इन्स्टीटयूट आफ एक्सीलेंस, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बीकेपी महाविद्यालय मालथौन, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओम श्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महाविद्यालय एवं अन्य सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया. मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी. बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए. दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए. पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है. टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है. टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया. टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया. बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी. टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली. स्कूल शिक्षा विभाग के गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया।

स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. गौर जयती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे. म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य पत्रकारिता प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया. रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही।

आज के कार्यक्रम

प्रातः 11.00 बजे से विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता कि अध्यक्षता में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में होगा. गौर उत्सव के चौथे दिन अब्दुल गनी खान स्टेडियम में महिलाओं के लिए पिट्ठू का आयोजन किया जायेगा.

गौर उत्सव तृतीय दिवस विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया

महिलाओं के बीच हुई नींबू दौड़, रस्सा कसी सहित कई मुकाबले

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : गौर जयंती के अवसर पर आयोजित गौर उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग आफ वार जैसे खेल शामिल थे। म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया।

पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया। रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही। टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया। मैच के मुख्य अतिथि डा. विवेक साठे ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पत्रकार एकादश ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद हुए दूसरे सेमीफाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग की टीम ने अधिवक्ता एकादश को हरा दिया।

मैच के दौरान रस्सी खींचती हुई महिलाएं। • नवदुनिया

गौर उत्सव | प्रोफेसर ने रस्साकशी में जमीन पर गिरने तक लगाया जोर, कुर्सी पर कब्जा करने के लिए भी चली रोचक जद्दोजहद

सागर | सागर सपूत डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती के उपलक्ष्य में गौर उत्सव के तहत विभिन्न खेल भी खेले जा रहे हैं। विवि स्टेडियम में शुक्रवार को म्युजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल हुए। म्युजिकल चेयर में बजते हुए संगीत के बीच कुर्सी पर कब्जा करने की रोचक जद्दोजहद चलती रही। अलग-अलग वर्ग में काजल शांडिल्य और वंदना सोनी पहले स्थान पर रहीं। रस्साकसी में महिला सेल से प्रो. रितु यादव की टीम जीती। महिला शिक्षकों ने भी इसमें दमखम दिखाया। कई महिला प्रोफेसर इसी जद्दोजहद में गिरीं जरूर लेकिन उनका उत्साह बरकरार रहा। शनिवार को सुबह 11 बजे से केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-4 के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन

डॉ. गौर के सपनों को साकार करना विद्यार्थियों की जिम्मेदारी: प्रो. गुप्ता

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर की 155 वीं जयंती के अवसर पर सागर विश्वविद्यालय परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा के साथ विद्यालय के शिक्षक मनोज कुमार नेमा, अनीता डोंगरे, दीपा गुप्ता तथा महेंद्र सिंह राजपूत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन शारदा प्रजापति ने किया एवं संचालन विद्यालय संस्कृत शिक्षक आनन्द जैन व फर्खंदा बेगम के साथ कक्षा नवमी की छात्रा शिवांगी सिंह कुर्मी एवं कक्षा आठवीं के छात्र तनिष्क नंदनवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के छात्रों ने असमिया नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य और बुंदेली नृत्य जैसी अद्भुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के इस पवित्र संस्थान को अपनी मेहनत और त्याग से स्थापित किया। विश्वविद्यालय में देश के 25 से अधिक राज्यों के विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, जो इस संस्थान की महत्ता को दर्शाता है। विद्यार्थियों को डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिये मेहनत करनी चाहिए। केजी से पीजी तक की शिक्षा का एक अनूठा मॉडल पेश कर रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें डॉ. गौर के आदर्शों पर चलकर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र का नाम रोशन करना चाहिए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा ज़ाट ने डॉ. गौर के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा को समाज की प्रगति का आधार माना और अपनी पूरी संपत्ति शिक्षा के लिये दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। सभी का दायित्व है कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास करें। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक विकास का माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य मानसिक और सामाजिक विकास है। आज की शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने की जरूरत है ताकि विद्यार्थी भविष्य के लिये तैयार हो सकें। तकनीकी विकास के इस दौर में शिक्षा का स्वरूप भी बदल रहा है। केंद्रीय विद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा में तकनीकी और सामाजिक विकास पर भी चर्चा की गई। विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी उपलब्धियों के लिए शील्ड देकर सम्मानित किया गया। शुभ को उनके विज्ञान मॉडल के लिए भारत सरकार द्वारा जापान यात्रा के लिये चुना गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन तनिष्क और शिवांगी ने किया और आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने व्यक्त किया।

आयोजन । छात्र-छात्राओं ने गौर उत्सव सहवार्षिक उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मिशन के रूप में कार्य कर विद्यार्थी डॉ. गौर के सपनों को साकार कर सकते हैं: प्रो. गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर कि गई। विद्यार्थियों द्वारा आसामी नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य समेत प्रसिद्ध बुंदेली नृत्य जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमी गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष कि तरह विश्वविद्यालय में गौर जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाई जा रही है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट को बुलाने का उद्देश्य उनकी उपलब्धियों से विद्यार्थियो को प्रेरणा देना है. उन्होंने अपनी उम्र में कई ज्यादा उपलब्धियां हासिल की है. खासकर महिला छात्राओं के लिए वह एक प्रेरणा का रूप है. उन्होंने बताया कि इस स्कूल को एक कक्षा से शुरु कर आज हाई स्कूल का रूप दे दिया है. उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को जो स्कूल का नाम रोशन कर रहे है उन्हें सम्मानित करने और प्रोत्साहन देने की बात कही. उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी केजी से पीजी तक की शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय पीएचडी की शिक्षा तक दे रहा है. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर ने शिक्षा के इस मंदिर को अपने तन मन धन से सिंचित कर इसको स्थापित किया. जहां आज देशभर के करीब 25 राज्यों के बच्चे यहां उच्च शिक्षा में अध्यननरत है. यह गौरव की बात है कि यहां स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कि पढ़ाई एक ही कैंपस में प्राप्त हो रही है. इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी विशेष उपलब्धि के लिये शील्ड देकर सम्मानित किया. गौरतलब है कि शुभ को विज्ञान मॉडल के लिये देशभर के 3 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित कर भारत सरकार ने उनको जापान यात्रा पर भेजा था. मुख्य अतिथि के रूप में सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन की सारी कमाई शिक्षा के लिये दान कर दी। इसलिए आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है. जिसके लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है. यह अत्यंत गौरव का विषय है कि देश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है जो शिक्षा के द्वारा से ही संभव है. उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश के बारे में उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान पढ़ा. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के योगदान को इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से ही नई पीढ़ी तक पहुचाएं जा सकते है. डॉ गौर के बारे में कुछ भी कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के बराबर है।

डॉ गौर उच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने जन्मस्थान को याद रखा और यहां शिक्षण संस्थान की स्थापना की. उन्होंने शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा और समाज में परिवर्तन आया है. तकनीक और एक्सपोजर के साथ विश्व में सब कुछ बदल रहा है इसलिए शिक्षा देने का तरीका भी बदलना चाहिए. आगे आने समय के लिए विद्यार्थियो को तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं न होकर सामाजिक, मानसिक विकास शिक्षा से ही होता है. भविष्य में समाज में व्यहवार करने के तरीके भी बच्चे शिक्षा के द्वारा सीखते है. केन्द्रीय विद्यालय इन सभी के लिए प्रयासरत है।

वह भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बना रहे है. कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने दिया. विद्यालय के बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे बताया साथ ही उन्होंने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विस्तार से प्रकाश डाला. कार्यक्रम में विद्यालय के नामित अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं एकेडेमिक्स अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कांगो ने गजल के माध्यम से डॉ. गौर को नमन किया एवं उनके वृहतर योगदान की चर्चा की. इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के कठल सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी समेत अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र तनिष्क और शिवांगी ने किया और अंत में आभार ज्ञापन अनीता डॉगरे ने माना।

आयोजन | महिला खेलों में पिट्टू प्रतियोगिता की विजेता टीम को कुलपति ने किया सम्मानित

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ. आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया. पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया. उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया. विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज कि. टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे. जिन्होंने 4 विकेट लिए. टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को मिला. विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए. उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ-साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया। इस समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है. हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है. इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते है। महिला खेल में दूसरे दिन पिट्ठू खेल का आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम में ओम्बिका, ऋतु यादव, पूनम मिश्रा, देवांशी एवं एकता थे. दूसरी टीम ने भी बराबर की टक्कर से खेला जिसकी कप्तानी दीपाली ने की. विजयश्री, वेणुका, अनुराधा और शिवानी इस टीम की साथी सदस्य रहीं. दो दिन चले महिला खेलों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन से समय निकाल कर उन्हें मनोरंजन प्रदान करना था. खेलों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है. महिला क्लब की खेल कूद की गतिविधियों से अन्य महिलाएं भी खेलों में अपनी रुचि दिखाती हैं. उम्र की सीमा को न देखते हुए सभी खेलो में महिलाएं अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित करती हैं. महिला खेलों के बाद समापन सत्र का आयोजन कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने सभी आयोजकों और सहभागियों को सफल खेलो के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. एन.पी. सिंह, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. राजू टंडन, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. रितु यादव, डॉ. विवेक साठे, और डॉ सुरेन्द्र गादेवार, डॉ सुमन पटेल, महेंद्र बाथम ने अहम भूमिका निभाई.

24 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

अपरान्ह 04 बजे से अभिमंच सभागार में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा काव्यात्मक प्रस्तुतियों का होगा आयोजन।

गौर उत्सव : स्कूल शिक्षा विभाग ने जीता टी-20 क्रिकेट मैत्री टूर्नामेंट

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग- एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 142 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें आकर्षण दर्पण ने शानदार 94 रनों की पारी खेली। स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया व मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को दिया गया। विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते हैं।

विवि में महिला खेलों का आयोजन

सागर. गौर जयंती उत्सव के तहत विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया. जिसमें म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य ने प्रथम, आस्था विश्वकर्मा द्वितीय और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. दूसरे राउंड में वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किय. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया. रितु यादव की टीम विजेता रही और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही.

'डा. गौर ने जिस विवि की स्थापना की वह विदेशों तक पहचान बना चुका है'

गौर उत्सव ● 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शिक्षक मौजूद थे। ● नवदुनिया

सागर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा।

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को विवि के अभिमंच सभागार में काव्यांजलि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है।

हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विवि को डा. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डा. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने डा. गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया।

कविता और गजलों की प्रस्तुति

काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविता और ग़ज़लों की प्रस्तुति दी। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने "तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने "मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन", सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने "हर सुबह अखबार झूठ बोलता है", दिव्या राय ने "पिता और बेटी के रिश्ते की तरह", डा. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डा. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया। कार्यक्रम के समन्वयक डा. हिर्मांशु कुमार थे। इस अवसर पर प्रो. एडी शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डा. रितु यादव, कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय, वित्ताधिकारी डा. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे।

शिक्षकों व छात्रों ने डॉ. गौर के जीवन, संघर्ष व योगदान को रेखांकित करती कविताओं की प्रस्तुति दी, गौर मेला आज से

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें छात्रों, शिक्षकों और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है। हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया। काव्यांजलि में विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लों की प्रस्तुतियां दी। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने

अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं की प्रस्तुत दी गईं। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी। प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन, सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने हर सुबह अखबार झूठ बोलता है।दिव्या राय ने पिता और बेटी के रिश्ते की तरह, डॉ. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डॉ. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया।कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. एडी शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. कुलदीपक शर्मा, डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, छात्र मौजूद रहे।

आज से तीन दिवसीय गौर मेला शुरू : 25 से 27 नवम्बर तक सुबह 10 बजे से गौर जयंती मेले का आयोजन आचार्य शंकर भवन में होगा। 25 से 26 नवम्बर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में किया जाएगा। शाम 6 बजे से गौर मूर्ति पर दीप प्रज्वलन कुलपति गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार द्वारा, 6:30 बजे डॉ. गौर की जीवनी - रेडियो वार्ता का प्रसारण कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया जाएगा। गौर मेला 25-27 नवम्बर तक विवि गेस्ट हाउस परिसर में आयोजित होगा।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत रत्न की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए। वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक और महान दानवीर थे। उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलती है। वह हमारे पितृ पुरुष हैं। ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए। हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे। 155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वावधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी आज सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। इसका उद्घाटन कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया। इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं। डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जाएगी। विवि की वेबसाइट पर डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है। इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डीके नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित सहित स्टॉफ मौजूद रहा।

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टॉल

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया। कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाये गए हैं। साथ ही फास्ट फूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं। विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. हरीसिंह गौर की शोभायात्रा परंपरानुसार तीनबत्ती से निकलेगी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित गौर उत्सव 2024 का समापन 26 नवंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा सुबह 8.40 बजे तीनबत्ती से प्रारंभ होगी। इससे पहले कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा तीनबत्ती पर गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन किया जाएगा। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय परिसर पहुंचेगी, जहां गौर समाधि प्रांगण में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्य समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में किया जाएगा। समारोह में कुलपति द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन और मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

सुविधा — डा. हरिसिंह गौर की 155 वीं जयंती के उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

अब क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ सकेंगे डा. गौर द्वारा लिखी गईं पुस्तकें

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरिसिंह गौर की 155 वीं जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को ग्रंथालय विभाग के तत्वावधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। इसका उद्घाटन विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल व कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी में डा. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं। डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है। प्रदर्शनी में कुलपति और विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डीके नेमा, डा. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डा. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

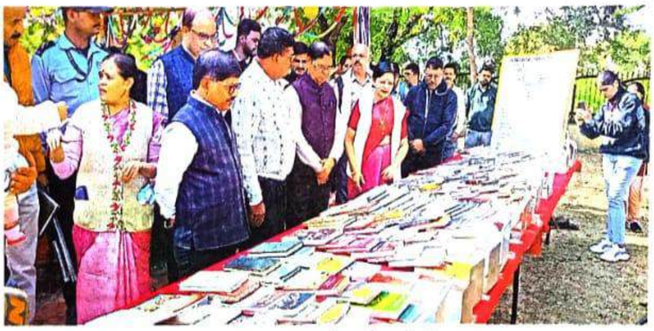

मेले में डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों से लेकर अन्य कई पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। • नवदुनिया

मेले में महिला क्लब द्वारा कई दुकानें लगाई गई। • नवदुनिया

डिजाइनर आभूषण की खरीदी के साथ फास्ट फूड का आनंद

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हाउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया। विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शाल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए हैं। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित सभी महिला सदस्य उपस्थित रहे।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने दैनिक भास्कर डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया. भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया. उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए. कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए. वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे. उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है. वह हमारे पितृ पुरुष है. ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए. हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे. इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं. डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे.

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फ़ूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं. इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

सागर, आचरण। गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आई.पी.एस. एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर प्रो. सुरेश आचार्य, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. पीपी सिंह, सुरेन्द्र गादेवार, एसपी उपाध्याय, डॉ. विवेक तिवारी, शैलेन्द्र ठाकुर, सुदेश तिवारी, वंदना गुप्ता, देवेन्द्र फुसकेले, विनोद आर्य, पंकज सिंघई, सिंटू कटारे, अजय तिवारी, लक्ष्मण सिंह, गुड्डू चौबे, मुकेश साहू सहित शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का होगा मुख्य समारोह, मेधावी छात्र होंगे पुरस्कृत

जयंती आज... तीन बत्ती से परंपरानुसार निकलेगी डॉ हरि सिंह गौर की शोभायात्रा

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। 26 नवम्बर को सुबह 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन कार्यक्रम होगा। उद्बोधन के पश्चात् सुबह 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा प्रारम्भ होगी। बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर तीन मढिया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विवि परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक पहुंचेगी।

शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के पश्चात गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा। गौर उत्सव का मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में होगा। समारोह का प्रारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ होगा। संगीत विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे एवं सारस्वत उद्बोधन कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता का होगा। मुख्य समारोह में कुलपति द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया जायेगा। विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

पूर्व संध्या पर कुलाधिपति एवं कुलपति ने किया तीनबत्ती पर दीप प्रज्ज्वलन

गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आईपीएस एवं कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गौर उत्सव • सुबह 8:40 बजे परंपरागत रैली निकाली जाएगी, विवि में दानदाताओं का होगा सम्मान

आज बैंड की धुन पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे गौर उत्सव में 26 नवंबर को शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा शुरू होगी। बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा (गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर) तीन मढ़िया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक जाएगी। शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के बाद गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा।

डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती के एक दिन पहले शाम को विश्वविद्यालय में समाधि स्थल को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। फोटो | मनुज नामदेव

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का मुख्य समारोह : विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह होगा। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह शुरू होगा। संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे। उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय केबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सागर सांसद लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, केबीनेट मंत्री, उदय प्रताप सिंह, केबीनेट मंत्री, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह विधायक खुरई, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव विधायक, रहली, शैलेन्द्र जैन विधायक, उपस्थित रहेंगे।

गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, वरिष्ठ समाजसेवी रघु ठाकुर, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सचिव सरस्वती वाचनालय पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आरके नामदेव, प्राचार्य आईटीआई सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया जाएगा।

• **पुस्तकों का विमोचन एवं पुरस्कार वितरण होगा** : मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। अलग-अलग कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

• **भू गर्भ शास्त्र में पार्किंग** : विश्वविद्यालय सुरक्षा विभाग ने यातायात, वाहन पार्किंग एवं प्रवेश व्यवस्था की है। बताया कि कैम्पस के नागरिकों के लिए पार्किंग व्यवस्था भूगर्भ शास्त्र परिसर, शहर से आने वाले नागरिको के लिए अतिथि गृह के बाहर, दो पहिया पार्किंग के लिए भूगोल विभाग, कंप्यूटर विभाग एवं प्राणी विज्ञान विभाग परिसर में व्यवस्था की है।

गौर जयंती • तीनबत्ती से निकली परंपरागत शोभायात्रा, जन्मस्थली-विवि में हुए कार्यक्रम

डॉ. गौर को भारत रत्न के लिए गृहमंत्री से चर्चा हुई, सबका प्रयास जल्द सफल होगा: राजपूत

• भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक विधिवेत्ता डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती मंगलवार को उल्लास के साथ मनाई गई। विवि में हुए समारोह में प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति होने लगती है। यहां से पढ़े हुए विद्यार्थी बहुत ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं। यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयंती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत रत्न दिलाने के लिए हम सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सागर में ही मांग की थी। वन टू वन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 मिनट तक गौर साहब के बारे में सुना। हम सबका सांझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल होंगे। दैनिक भास्कर ने साढ़े 6 किमी लंबी माला का जो कार्यक्रम डॉ. गौर के लिए भारत रत्न की मांग को लेकर किया, उसमें छोटे-छोटे बच्चे तक उत्साह से माला पकड़े खड़े थे। उन्होंने भी घर जाकर पूछा होगा और उनके परिजनों ने डॉ. गौर के बारे में विस्तार से बताया होगा। इससे आने वाली पीढ़ी प्राथमिक स्कूली शिक्षा से ही डॉ. गौर को समझेगी। तीन बत्ती से परंपरागत शोभायात्रा निकली। शनीचरी स्थित जन्मस्थली और विवि परिसर स्थित गौर प्रांगण में कार्यक्रम हुए। एनसीसी छात्राओं ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं: कुलपति

• विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने तीनबत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के बाशिंदे हैं। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आव्हान करती हूं समस्त सागरवासियों को-आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है। हमें डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। कुलपति ने संविधान के उद्देशिका का वाचन करते हुए सभी को संविधान के प्रति आस्था की शपथ भी दिलाई। स्वागत भाषण डीके नेमा ने दिया। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, आभार प्रभारी कुल सचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

समाज के हर क्षेत्र में डॉ. गौर ने काम किया: बेरवाल

• अध्यक्षता कर रहे कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल ने कहा डॉ. गौर एक महान सुधारक भी थे। समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया। विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया। उनके योगदान को स्मृति में रखते हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताए गए मार्गों का अनुकरण करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन संबोधित किया।

डॉ. गौर को भारत रत्न जरूर मिलेगा : सांसद

• सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा डॉ. गौर सागर के गौरव हैं। डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है। दैनिक भास्कर के आह्वान पर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने की मांग को लेकर साढ़े 6 किलोमीटर लंबी फूलों की माला अर्पित कर विश्व रिकॉर्ड बनाकर जो संकल्प लिया है, हम भारत रत्न लेकर ही मानेंगे। उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा।

नारी शक्ति के हित में डॉ. गौर की महती भूमिका: जैन

• नगर के विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है. उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है। वे भारत रत्न के सच्चे हकदार हैं। हमें याचक की बजाय अब हक के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए।

धूमधाम से मनाई 155वीं जयंती, कुलपति ने कहा-

भारत रत्न दिलाने करने होंगे समन्वित प्रयास

डॉ. हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीन बत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया।

सागर • विद्या की वाणी

सागर | महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीन बत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरिसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है। क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरिसिंह गौर जैसे महान शख्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेंडर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुंदेलखंड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार ने उन्हें यहां वापस बुलाया और 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

तीन बत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभा यात्रा

परम्परानुसार शहर के तीन बत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली, जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। आयोजन के दूसरे सत्र का कार्यक्रम विश्विद्यालय में आयोजित किया गया।

आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

सागर दिनकर

सागर। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शख्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का बसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें है। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेषी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बब्बा को याद करते हैं। वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आवहन करती हूँ - समस्त सागर वासियों को- आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है- हमें डॉ. गौर को- भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभयात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की. सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबिनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिवेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे।

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे डॉ. गौर

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे। वे एक महान सुधारक भी थे। समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया। उन्होंने विधि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया। उनके योगदान को स्मृति में रखते हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताये गये मार्गों का अनुकरण करना चाहिए।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्मानीय मंच है।

कोई भी शिक्षा संस्थान अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नवोन्मेषी अकादमिक ज्ञान से ही प्रतिष्ठा पाता है। हम अपने पितृ पुरुष डॉ. गौर के महानतम त्याग और योगदान को अपनी स्मृति में रखते हुए, अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हों, संपूर्ण सेवा भाव से विश्वविद्यालय के उन्नयन में योगदान दें।

लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है: डॉ. वीरेंद्र कुमार

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके ऐसा सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती. वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे। उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था। मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ। सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है। उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दी।

डॉ. गौर ने शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया: सांसद

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ। उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है। डॉ. गौर सागर के गौरव हैं, डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है। वे एक तार्किक क्षमता वाले कानूनविद थे तो एक सहृदय कवि भी थे। वे दधीचि की तरह थे। उन्होंने अपना सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया। उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा और हम सब इस प्रयास में अवश्य सफल होंगे।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा: मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है। यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुंचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं। यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है। हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल हो पायेंगे. उन्होंने भास्कर समूह द्वारा चलाये गये माल्यार्पण और मानव श्रृंखला अभियान की प्रशंसा की।

नारी शक्ति के उत्थान में डॉ. गौर की महती भूमिका और योगदान: विधायक शैलेन्द्र जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया।

गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अतिथियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी. आई. सागर मुन्नु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए: प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

सत्ता सुधार ● सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया।उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए।कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए

वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे।उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है।वह हमारे पितृ पुरुष है। ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए।हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे।इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य मे ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान मे गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई है।डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी।विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तको के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तको व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया।उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फ़ूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं।विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे है और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं।इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

विवि के पथरिया वैली कैंपस में गौर संग्रहालय का उद्घाटन, प्रभारी मंत्री ने ली जानकारी

भास्कर संवाददाता|सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेंद्र जैन, कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया।

प्रभारी मंत्री शुक्ल ने संग्रहालय से जुड़ी जानकारी भी ली। इस दौरान अतिथियों को बताया गया कि डॉ. हरीसिंह गौर संग्रहालय में डॉ. गौर से संबंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोट्रेट एवं जानकारियां हैं। साथ ही मध्यप्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्यप्रदेश से संबंधित भूगर्भ शास्त्रीय जानकारियां एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया गया है। एनसीसी से संबंधित विभिन्न जानकारियां एवं सामग्री प्रदर्शित की गई हैं। सागर एवं बुंदेलखंड का इतिहास, भारत की आजादी में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए हमारे जननायकों की गाथाओं को भी इस संग्रहालय में स्थान दिया गया है। जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया गया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड की लोक कला, संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, देशज परंपरा से संबंधित जानकारी एवं सामग्री भी प्रदर्शित की गई।

ध्वजारोहण के साथ मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 26 नवम्बर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव का शुभारंभ गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ.

एआईयूकी अतिरिक्त सचिव ममता अग्रवाल ने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं. उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है. भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है. यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है. कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है. सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है. यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए. कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं. युवा उत्सव की शोभायात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी.

यह होंगी प्रतियोगिताएं

केंद्रीय विवि को पहली बार मिले मध्य क्षेत्र युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मैकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी.

संविधान निर्माण में डॉ. गौर का बड़ा योगदान, उनके विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य: शुक्ल

फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी को विद्यार्थियों को उत्साह हुआ दोगुना, बोले-हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 का उद्घाटन गौर प्रांगण में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। विशिष्ट अतिथि केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा यहां के अनुभवों से सीखिए। जीवन में उनको अपनाइए। यह डॉ. गौर की धरती है। यहां के अनुभव और शिक्षा को अपने जीवन में अपनाकर अपना भविष्य और देश के भविष्य को संवारिए। कार्यक्रम में प्रख्यात सिने अभिनेता मुकेश तिवारी को अपने बीच पाकर विद्यार्थी बेहद उत्साहित हुए। उनका उत्साह दोगुना नजर आया। तिवारी ने कहा यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पवित्र है। यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हार के मायने समझाए और कहा हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए। कार्यक्रम की संरक्षक विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अगले पांच दिनो तक चलने वाले युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर संगीता सुशील तिवारी, एआईयू की सहसचिव डॉ. ममता आर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेष केशरवानी थे। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है।युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। तीन बत्ती से विवि तक सांस्कृतिक रैली निकली। बुंदेलखंड विकास मंच गोपालगंज ने गौर जयंती पर पच भेंट किया। जिसमें कपड़े, झूला, मिठाई, गुड़ के लड्डू और एक हजार किताबें भी पुस्तकालय के लिए दान में दीं।

महोत्सव विवि में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का उपमुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन, फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी भी हुए शामिल

सांस्कृतिक रैली और जोरदार आतिशबाजी से विवि में पहली बार शुरू हुआ युवा उत्सव

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : दानवीर डा सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह 26 नवंबर को गौर प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल थे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनामिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं इस विवि का छात्र रहा हूं। यहां से बहुत से छात्रों ने पढ़कर देश विदेश में नाम कमाया है।

विवि मे अपनी प्रस्तुति देती हुई छात्राएं। • नवदुनिया

यहां से सीखें और जीवन में अच्छा कार्य करें : सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पवित्र है। यहां स सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हर के मायने समझाए और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेंकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने की। कार्यक्रम में विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर संगीता तिवारी, एआइयू की सह-सचिव डा. ममता आर अग्रवाल, गौरव सिरोठिया, शैलेश केसरवानी, प्रो अम्बिकादत्त शर्मा, प्रभारी कुलसचिव सत्यप्रकाश उपाध्याय मौजूद थे। स्वागत भाषण डा. राकेश सोनी ने दिया।

सांस्कृतिक यात्रा निकाली गई, जिसका सेवादल के सदस्यों ने स्वागत किया। • नवदुनिया

सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी

इस अवसर पर युवा उत्सव की शोभयात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। वृंदावन बाग के पास सभी सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी। शहर के गणमान्य नागरिको और सामाजिक संगठनों ने रैली का स्वागत किया। गोपालगंज स्थित बुंदेलखंड विकास मंच ने डा. गौर के जन्मदिन पर पच भेंट किया जिसमे डा. गौर के कपड़े, झूला, मिठाई, गुड़ के लड्डू और एक हजार किताबें भी पुस्तकालय के लिए दान मे दी।

ध्वजारोहण, मशाल और आतिशबाजी से हुआ आगाज

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं अन्य अतिथियों ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण कर युवा उत्सव की शुरुआत की। इस दौरान ध्वजारोहण व आतिशबाजी के साथ युवा उत्सव का शुभारम्भ हुआ। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय गौर युवा उत्सव की सांस्कृतिक यात्रा का जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे के नेतृत्व मे टीम लीडर का फूल माला से स्वागत तथा कलाकारो का पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

इस दौरान डा. संदीप सबलोक, नितिन पचौरी, अंकुर यादव, निक्की यादव, ओमपाल भाऊ, अन्नू घोसी, पंकज सोनी, रवि जैन, तरूण सैनी, जयेश अग्रवाल, कीर्ति ठाकुर, लकी दुबे, बाबू सेन, लल्ला यादव आदि उपस्थित रहे।

38 वां मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द शुभार्ति विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण पर प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां: विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गई. पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए. प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार, बेटियों की आजादी और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया।

मध्य क्षेत्र युवा उत्सव दूसरा दिन • वाद-विवाद, अभिनय, वाद-विवाद, चित्रकारी आदि की प्रतियोगिताएं हुईं

ग्वालियर के विद्यार्थियों ने बुंदेली भाषा में दी बुंदेला विद्रोह की प्रस्तुति, महिलाओं के शोषण और सामाजिक समस्याओं को भी दर्शाया, स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विवि के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती पर गौर गौरव उत्सव के तहत डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में एआईयू के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन अलग-अलग प्रस्तुतियां हुईं। युवा उत्सव में दो राज्यों के 23 विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं।

स्वर्ण जयंती सभागार में वन एक्ट प्ले की प्रस्तुतियां हुईं। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने उरुभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया। जागरण लेक विवि के विद्यार्थियों ने दुविधा, देवी अहिल्याबाई विवि इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स, बरकतउल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी। राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरुकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विवि, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। दयालबाग विवि, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी।

नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या ने ब्रिटिश राज की लगान व्यवस्था के किसानों पर बुरे प्रभाव और उससे उत्पन्न स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी का चित्रण किया। नॉन-पर्कशन में प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता कर निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। रंगनाथन भवन में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सहित 23 विवि के विद्यारियों ने सहभागिता की।

उन्होंने सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए। आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने भाव उकेरे। आचार्य शंकर भवन में विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं।

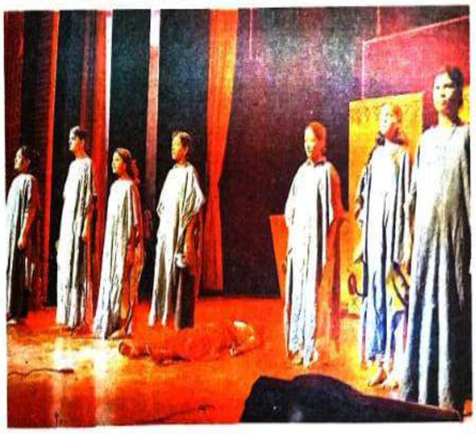

आज यह प्रस्तुतियां होंगी

- गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से समूह गान भारतीय तथा 3 बजे से समूह गान वेस्टर्न कर प्रस्तुति होगी।
- अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे वेस्टर्न वोकल सोलो तथा दोपहर 3 बजे लाइट वोकल सोलो प्रतियोगिता होगी।
- गोल्डन जुबली हॉल में सुबह 10 बजे से वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति तथा दोपहर 3 बजे से क्लासिकल डांस की प्रतियोगिता होगी।
- रंगनाथन भवन में सुबह 10 बजे से भाषण प्रतियोगिता, दोपहर 3 बजे से प्रश्नमंच मुख्य प्रतियोगिता होगी।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे से स्पॉट फोटोग्राफी, दोपहर 1 बजे से इंस्टालेशन और शाम 4 बजे से कार्टूनिंग की प्रतियोगिता होगी।

महोत्सव | अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में अभिनय, वाद-विवाद और चित्रकारी में प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

नाटक में नजर आई वीरता की झलक, साइबर अपराधों से बचने किया जागरूक

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक एवं संविधान सभा के सदस्य डा. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने अभिनय से लेकर गायन में अपनी प्रस्तुति दी।

गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों द्वारा 'वन एक्ट प्ले' की प्रस्तुतियां दी गईं। पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने भाष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'ऊरूभंगम' के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। जागरण लेक विश्वविद्यालय द्वारा विजयदान देथा द्वारा लिखित राजस्थानी लघुकथा 'दुविधा' की नाट्य प्रस्तुति दी। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विवि भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया। बालिका अत्याचार और सम्मान पर केंद्रित इस नाटक ने दर्शकों को आकर्षित किया।

कार्यक्रम में वीरता की झलक दिखाने नाटक की प्रस्तुति देते हुए कलाकार। • नवदुनिया

प्रमोशन के लिए संघर्ष को हास्यात्मक तरीके से किया प्रस्तुत : कार्यक्रम में राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया। स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ के प्रतिभागियों ने मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की प्रमोशन पाने की संघर्ष कथा को हास्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इसमें बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया। दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा के प्रतिभागियों ने सती प्रथा और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी।

शास्त्रीय वादन (एकल) में कलाकारों ने दी प्रस्तुति : युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों के धुनों ने कार्यक्रम को संगीतमय और उत्कृष्ट बना दिया। प्रतियोगिता में सभी विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और संगीत कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की और परिणाम की घोषणा के लिए उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा।

प्रतियोगिता के दौरान रोबोट पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई। • नवदुनिया

युवा उत्सव में शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी, जिससे पूरे गौर प्रांगण में एक अद्भुत संगीतात्मक माहौल बन गया।

23 विवि के प्रतिभागी वाद-विवाद प्रतियोगिता में हुए शामिल : रंगनाथन भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 23 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का विषय था: 'सदन का मानना है कि विजुअल मीडिया का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है' प्रतिभागियों ने इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में अपने अपने तर्क प्रस्तुत किए और विजुअल मीडिया के फायदे और कमियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। वहीं विवि के आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे। विवि के आचार्य शंकर भवन में 'विकसित भारत' एवं 'भारत की विरासत' थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मोडलिंग प्रतियोगिता में 'मां-बच्चे' और 'श्रम' थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। इस प्रतियोगिता मंव बीस विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

युवा उत्सव के दूसरे दिन अभिनय, वाद-विवाद, वादन व चित्रकारी में दिखाई प्रतिभा

मंच पर बताई मनुष्य व रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा, साइबर सुरक्षा का दिया संदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. सर हरिसिंह गौर के 155वीं जयंती पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के दूसरे दिन बुधवार को अभिनय, वाद-विवाद, वादन और चित्रकारी प्रतियोगिता में 955 प्रतिभागियों ने प्रतिभा दिखाई। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में प्रतिभागी विश्वविद्यालयों ने वन एक्ट प्ले की प्रस्तुति दी। आजादी के संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों और बढ़ते आधुनिकीकरण में रोबोट और मनुष्य के बीच की प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर प्रतिभागियों ने दी प्रभावी नाट्य प्रस्तुतियां दी।

सभागार में पहले दिन कुल दस प्रस्तुतियां हुई। वरिष्ठ रंगकर्मी रविंद्र दुबे कक्का व राजेन्द्र दुबे अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता में एकेएस विश्वविद्यालय सतना के प्रतिभागियों ने संस्कृत नाटक ऊरूभंगम के हिंदी रूपांतरण का मंचन किया जो सुप्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत पर आधारित है। देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर ने आधुनिक युग रोबोटिक्स पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति मनुष्य और रोबोट के बीच प्रतिस्पर्धा और मानवीय मूल्यों व रोजगार की समस्या के साथ इंसान के धर्म को बतलाती है। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने बेटियों पर आधारित नाटक का मंचन करते हुए समाज में व्याप्त नकारात्मक सोच को दर्शाया।

राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर के प्रतिभागियों ने 1842 के बुंदेला विद्रोह और राजा मधुकरशाह बुंदेला की वीरता को बुंदेली भाषा में प्रस्तुत किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रतिभागियों ने साइबर अपराध की घटनाओं और साइबर सुरक्षा जागरूकता को केंद्र में रखकर प्रस्तुति दी। जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से कर्ज के बदले महिलाओं के शोषण और उससे उत्पन्न सामाजिक समस्याओं को दर्शाया।

प्रतिभागियों ने की अद्भुत चित्रकारी

आचार्य शंकर भवन में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह भदौरिया व आकाश मालवीय थे। इसके साथ ही विकसित भारत एवं भारत की विरासत थीम पर प्रतिभागियों ने पोस्टर बनाए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके साथ ही क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में मां-बच्चे और श्रम थीम पर प्रतिभागियों ने मिट्टी की आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. बलवंत भदौरिया और आकाश मालवीय थे।

शास्त्रीय ताल वाद्य वादन ने बांधा समां

युवा उत्सव के दूसरे दिन क्लासिकल इंस्ट्रुमेंट सोलो (नॉन-पर्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभागिता की जिसमें उन्होंने निर्धारित समय में ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की धुनों में शास्त्रीय ताल वाद्य की प्रस्तुति दी। शास्त्रीय ताल वाद्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रतिष्ठित संगीतज्ञ डॉ. आरके राठौर, डॉ. आलोक शुक्ला और प्रसिद्ध गायक सोमवीर कथुरवाल शामिल थे।

► 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव

सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर विवि में युवा उत्सव का तीसरा दिन

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर गौरव उत्सव 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। युवा उत्सव के तीसरे दिन विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था। प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 वियवविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पारदर्शिता के लिए प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। आईटीएम विवि, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। गालियों के स्थान पर कुत्ते के भौंकने की आवाज का प्रयोग एक रचनात्मक तत्व था। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विवि वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया। विक्रम विवि, उज्जैन के छात्रों ने वसुधैव कुटुंबकम के विचार, सती प्रथा और विकसित भारत के विषयों को प्रस्तुत किया। यह नाटक भारत के विकास और नाटकों की महत्ता पर आधारित था। डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक हयवदन पर प्रस्तुति दी जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।

विश्वविद्यालयः सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

जनचिंगारी

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ढ्ढ) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का सन्देश देने प्रतिभागियों ने किया इंस्टालेशनः विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर सकें. प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

तीसरे दिन स्पॉट फोटोग्राफी, नाटक, कार्टूनिंग व गायन प्रतियोगिताएं हुई

पुरानी चीजों से बनाए डेकोरेशन आइटम, कार्टून में बताया 'सोशल मीडिया का प्रभाव'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें वेस्ट मटेरियल से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का संदेश दे रहे थे।

प्रतिभागियों ने पुरानी चीजों से गार्डन को सजोने के लिए डेकोरेशन आइटम बनाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया के प्रभाव पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता में देशभर के 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्टून के माध्यम से प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा

तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं। रवींद्रनाथ टैगोर विवि ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल ने महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित प्रस्तुति में युद्ध के दौरान पांडवों और कौरवों की सेनाओं में लड़ते हुए एक ही परिवार के दो बेटों की मृत्यु को दिखाया। इसके माध्यम से धर्म और अधर्म के द्वंद्व को उकेरा गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने भारत विभाजन की त्रासदी को सआदत हसन मंटो की कहानियों के माध्यम से मंच पर जीवंत किया।

आज की प्रतियोगिताएं

- गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा एवं दोपहर 3 बजे लोक आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा।
- अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।
- स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम एवं शाम 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है।
- आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलॉज एवं शाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

देशभक्ति और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित समूह गान की हुई प्रस्तुति

विवि के गौर प्रांगण में समूह गान (भारतीय) एवं समूह गान (पाश्चात्य) की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिव रतन यादव, हरगोविंद सिंह, देवी सिंह राजपूत उपस्थित थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किए गए, जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए, होली गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया।

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में तीसरे दिन सात नाट्य प्रस्तुतियां हुईं

सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से सराबोर रहा युवा उत्सव का तीसरा दिन

सागर(एसबीन्यूज)। मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है. इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ, ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 'वेस्ट मैटेरियल' से प्रतिभागियों को को कुछ ऐसे प्रोडक्ट बनाने थे जो पर्यावरण को बचाने का सन्देश प्रस्तुत कर स क प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, एकेएस विश्वविद्यालय सतना, आईटीएम विश्वविद्यालय, डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय सहित 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की और कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

स्पॉट फोटोग्राफी में प्रतिभागियों ने लिए आकर्षक छायाचित्र

स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में नियमानुसार प्रत्येक प्रतिभागी को पांच छायाचित्र प्रस्तुत किया जाना था. प्रतियोगिता का विषय था युवा उत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटोग्राफी। इस प्रतियोगिता में कुल 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी के साथ एक वालंटियर रखा गया ताकि प्रतियोगिता फोटोग्राफी की पारदर्शिता बनी रहे।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया. आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने महाभारत के पात्र कर्ण के उदाहरण के माध्यम से जाति व्यवस्था, पक्षपात और भाई-भतीजावाद पर प्रहार किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा ने समाज में गालियों के बढ़ते चलन और उनके दुष्प्रभाव को हास्यपूर्ण ढंग से उजागर किया।

सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कार्टूनिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों ने दीं भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कलात्मक प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. नृत्य की विभिन्न शैलियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 12 से 15 मिनट के समय का आवंटित था. प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया. प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, रिकॉर्डिंग उपकरणों का उपयोग पूर्ण रूप से वर्जित था। निर्णायक मंडल में कथक की प्रख्यात विशेषज्ञ एवं दिल्ली दूरदर्शन की पूर्व कलाकार श्रीमती शालिनी शर्मा, उमा महेश्वरा और जाने-माने कला समीक्षक रूपइंदर पवार थे. यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति की विविधता और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

क्विज में पूछे गये रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न

इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों- पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया।

29 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिताएं कार्यक्रम

गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक/आदिवासी नृत्य का आयोजन किया जाएगा। अभिमंच सभागार में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता आयोजित है. आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलाज तथा सायं 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

युवा उत्सव • कल होगा समापन, 23 विश्वविद्यालयों के 955 विद्यार्थी ले रहे हैं हिस्सा

नाटक से दिखाई विभाजन की त्रासदी, भारतीय महाकाव्य और सामाजिक कुरीतियों पर आधारित प्रस्तुतियां भी हुईं

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के तीसरे दिन आचार्य शंकर भवन में पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इंस्टालेशन प्रतियोगिता हुई। इसमें वेस्ट मैटेरियल से प्रतिभागियों ने ऐसे प्रोडक्ट बनाए जो पर्यावरण को बचाने का संदेश प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता में 14 विश्वविद्यालयों के 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्वर्ण जयंती सभागार में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गरीबी का जीवन जी रहे एक अपाहिज लड़के को परिवार और समाज द्वारा बोझ के रूप में देखे जाने की मार्मिक कहानी को दर्शाया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने गिरिश कर्नाड के प्रसिद्ध नाटक 'हयवदन' पर प्रस्तुति दी। जिसमें बुंदेलखंड के सांस्कृतिक तत्वों जैसे बुंदेली बोली, संगीत का उपयोग कर प्रस्तुति को मनोरंजक तरीके से पेश किया गया।

सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रतिभागियों ने कार्टूनिंग की

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में हुई कार्टूनिंग प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। थीम 'सोशल मीडिया का प्रभाव' थी। इस विषय पर विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कार्टून के माध्यम से रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को उजागर करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता युवाओं की सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के कार्यों को देखकर निर्णायक मंडल ने भी प्रशंसा की। अंतर विश्वविद्यालय युवा उत्सव का आयोजन कला, संस्कृति और सृजनात्मकता को एक मंच प्रदान कर रहा है, जिसमें छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

देशभक्ति और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं समूह गान की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में समूह गान भारतीय एवं समूह गान पाश्चात्य की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम के दौरान बुंदेली के प्रख्यात लोक गायक शिवरतन यादव, हरगोविन्द सिंह, देवी सिंह राजपूत मौजूद थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने देशभक्ति गीतों से ओत-प्रोत प्रस्तुति दी। अधिकांश ने महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाले गीतों की प्रस्तुति दी। बुंदेली और भोजपुरी में लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये जिसने श्रोताओं का मन मोह लिया। कजरी के तंज भरे बोल श्रोताओं को लुभाते नजर आए तथा होली के गीतों ने भी ऊर्जा का संचार किया। स्वर्ण जयन्ती सभागार में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतियोगिता में कथकली, भरतनाट्यम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया।

क्विज में पूछे गए रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न : इस क्विज प्रतियोगिता के प्रश्नों को तीन प्रारूपों-पाठ्य, ऑडियो और विजुअल में रखा गया था। प्रतियोगिता को पांच राउंड में संपन्न किया गया। क्विज मास्टर के रूप में एआईयू से तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा ने न केवल प्रतिभागियों से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे बल्कि दर्शकों के लिए भी प्रश्न रखकर उन्हें प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से जोड़े रखा। परिणाम भी जारी किये गए। जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने द्वितीय और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आज यह प्रतियोगिताएं होंगी

• गौर प्रांगण में सुबह 10 बजे से फोक ऑर्केस्ट्रा तथा 3 बजे लोक, आदिवासी नृत्य होगा। • अभिमंच सभागर में सुबह 10 बजे पश्चिमी वाद्य यंत्र एकल प्रतियोगिता होगी। • स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10 बजे से स्किट प्रतियोगिता तथा दोपहर 3 बजे से माइम तथा सायं 5 बजे मिमिक्री प्रतियोगिता होंगी। • आचार्य शंकर भवन में सुबह 10 बजे मेहंदी, दोपहर 1 बजे से कोलॉज तथा शाम 4 बजे से रंगोली प्रतियोगिता होगी।

SOCIETY
सोसायटी
02 पत्रिका
सागर, शनिवार, 30 नवंबर 2024

केसरिया बालम पधारो म्हारे देश...लोकनृत्य की अभिनव प्रस्तुतियों ने समां बांधा

स्किट में दिखा इंस्टाग्राम रील्स बनाने व देखने वालों पर व्यंग्य, एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. हरिसिंह गौर विवि में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के चौथे दिन शुक्रवार स्वर्ण जयंती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग्य किया।

लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, मां की ममता, राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा।

गिटार व ड्रम्स पर दीं धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंट (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कला का जादू बिखेरा। वहीं गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है। जिसमें डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने बुंदेलखंड की लोक धुन वाद्ययंत्र नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली।

कतरनों से बनाए आकर्षक कोलाज

आचार्य शंकर भवन में कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और खराब कागज से कोई सुसज्जित पोर्ट्रेट बनानी थी। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे। वहीं आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया।

लोकनृत्यों की प्रस्तुति

गौर प्रांगण में समूह लोक नृत्य की अभिनव प्रस्तुतियां हुईं। लोक नृत्य का समय 8 से 10 मिनट था, जिसमें किसी इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्र का प्रयोग वर्जित था। प्रतियोगिता के दौरान पूरा गौर प्रांगण दर्शकों से भरा हुआ था। इन प्रस्तुतियों में राजस्थानी, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी सहित कई लोक परंपराओं में समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।केसरिया बालम पधारो म्हारे देश... जैसी प्रस्तुति से तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा।

दैनिक सागर दिनकर
www.sagardinkar.com
सागर | शनिवार | 30.11.2024

लोकवाद्य, लोक नृत्य, प्रहसन और मूक अभिनय में प्रतिभागियों ने दी कलात्मक अभिव्यक्ति

सागर दिनकर

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस युवा उत्सव में कुल 955 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मध्य क्षेत्र के रवीन्द्रनाथ टैगोर विवि रायसेन, बरकतुल्लाह विवि, भोपाल, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग, आगरा, देवी अहिल्या विवि, इंदौर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि, आगरा,विक्रम विवि, उज्जैन, नरेंद्र देव कृषि विवि एवं टेक्नोलॉजी, अयोध्या, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विवि, छतरपुर, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि, ग्वालियर, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, रानी दुर्गावती विवि, जबलपुर, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, भोपाल, डॉक्टर हरिसिंह गौर विवि, सागर, अवधेश प्रताप सिंह विवि, रीवा, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, जीवाजी विवि, ग्वालियर, भातखण्डे संस्कृति विवि, लखनऊ, ए.के.एस. विवि, सतना, एकलव्य विवि, दमोह, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विवि, मेरठ, बनारस हिंदू विवि, वाराणसी, डॉ. सी.वी. रमन विवि, खंडवा विवि के विद्यार्थी इसमें प्रतिभागिता कर रहे हैं।

गिटार, पैड, ड्रम्स पर दीं पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो) प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पाश्चात्य धुनों की प्रस्तुति दी और अपनी कला का जादू बिखेरा जिससे माहौल पूरी तरह संगीतमय हो गया। इस प्रतियोगिता में 23 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभागिता की। धुनों और लयबद्ध प्रदर्शन ने पूरे सभागार में तालियों की गूँज रही जिसने प्रतिभागियों का उत्साह और बढ़ा दिया।

नगाड़े, बांसुरी, तबला जैसे लोक वाद्य यंत्रों से हुई शानदार प्रस्तुतियां

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में फोक ऑर्केस्ट्रा प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें का आयोजन किया गया। फोक ऑर्केस्ट्रा लोक संगीत को जीवंत रखने वाली विधा है। इस कार्यक्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने बुंदेलखंड के लोक धुन वाद्ययंत्रों नगाड़ा, बांसुरी, तबला, आदि से सुसज्जित प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। भारतीय परंपरा को प्रदर्शित करते हुए कई लोक वाद्य यंत्र के प्रयोग देखने को मिले।

कतरनों से बनाए आकर्षक कोलॉज

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में कोलॉज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 2 घंटे समय का आवंटन दिया गया। जिसमें उन्हें अखबार की कतरनों और वेस्ट कागज से कोई सुसज्जित पोर्ट्रेट बनानी थी. राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय ग्वालियर ने भगत सिंह का चित्रण किया। नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगकी विश्वविद्यालय ने एक समुद्र के किनारे का दृश्य का चित्रण किया। निर्णायक के रूप में सुमन कुमार सिंह, डॉ. सृष्टि शास्त्री, डॉ प्रीत कोहली उपस्थित रहे।

अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को रेखांकित किया

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में स्किट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 16 प्रस्तुतियां हुईं जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने सामाजिक मुद्दों पर हास्य प्रस्तुति दी। एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने भ्रष्टाचार पर तंज किया। देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम रील्स बनाने और देखने वालों पर हास्य के साथ व्यंग किया। जागरण लेक सिटी भोपाल ने एक वेश्या की बेटी को शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष का चित्रण किया। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार जैसे मुद्दों पर सरकारों और मीडिया के तौर तरीकों पर व्यंग्य किया। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे अपराध व भेदभाव, बदलते मानवीय सम्बन्ध, माँ की ममता और स्नेह, जंगल की सियासत और राजनैतिक हथकंडे, सरकारी विभागों के कार्यों के ढुलमुल तरीके इत्यादि विषयों को प्रतिभागियों ने केंद्र में रखा. निर्णायक मंडल में मोहन कांत, राजीव राठौर और श्रीदयाल थे। कार्यक्रम में विवि के पूर्व छात्र हरीश दुबे (पुलिस अधिकारी) और सचिन नायक (टीवी विज्ञापन अभिनेता) भी सम्मिलित हुए। सभी का सम्मान डॉ. अल्ताफ मुलानी द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों ने हाथों में रची डिजाइनदार मेहंदी

विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक डिजाइन बनाते हाथों में मेहंदी लगाई. प्रतियोगिता का विषय दुल्हन मेहंदी रखा गया. इस मेहंदी प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मूक अभिनय से किया सामाजिक मुद्दों और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में मूक अभिनय का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने माइम के माध्यम से अपनी भावनाओं और संदेशों को सिर्फ हाव-भाव, शारीरिक हरकतों और चेहरे के भावों के जरिए प्रस्तुत किया। यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष रूप से रोमांचक और यादगार बना। बिना शब्दों के, केवल शरीर की भाषा और चेहरे के उतार-चढ़ाव के जरिए छात्रों ने समाजिक मुद्दों, मानवीय भावनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से चित्रित किया।

अंतर विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन • 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने लिया भाग, विजेता हुए पुरस्कृत

दूरदृष्टि और पक्का इरादा है व कड़ी मेहनत कर रहे हैं तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर | अंतर विश्वविद्यालीयन युवा उत्सव के समापन अवसर पर अतिथियों के साथ फोटो खिंचाते विद्यार्थी।

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली व विश्वविद्यालय ने मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' कराया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा मंचासीन रहे। प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताए। कहा कि संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए। कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिन्दगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती है। यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी, लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरूप में संभव हो पाया, क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव, इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है। सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन: डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा उत्सव के दौरान पांच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं कराई गईं। युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली। अतिथियों ने उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी दी।

दल प्रबंधकों और छात्र प्रतिनिधियों ने दिया फीडबैक एकेएस विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दल प्रबंधकों ने फीडबैक प्रस्तुत किया। इन सभी ने आयोजक विश्वविद्यालय की मेजबानी, स्वागत, सत्कार, भोजन, आवास, तकनीकी सहयोग एवं अन्य सभी तरह के सहयोग के लिए आभार जताया। एकेएस विवि सतना के दल ने बरेदी नृत्य और डॉ. हरीसिंह गौर विवि के दल ने फोक आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने व्यक्त किया। राष्ट्र गान के साथ समारोह का समापन हुआ।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गौर गौरव उत्सव का भव्य समापन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान शिक्षाविद् डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस पर गौर गौरव उत्सव का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। 26 से 30 नवंबर तक आयोजित इस मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के 955 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। मंच पर एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को लक्ष्य तय करने और कठिन परिश्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा जीवन में सफलता का मूलमंत्र है। सकारात्मक सोच और अच्छे विचारों से व्यक्तित्व और राष्ट्र का निर्माण होता है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन डॉ. गौर की प्रेरणा से संभव हो पाया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की शानदार उपलब्धियां

इस युवा उत्सव में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक रैली, फोक ऑर्केस्ट्रा और स्किट में प्रथम स्थान हासिल किया। थियेटर विधा में ओवरऑल विजेता का खिताब भी विश्वविद्यालय के नाम रहा। ओवरऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम

संगीत श्रेणी: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया। **नृत्य श्रेणी:** ओवरऑल विजेता का खिताब भी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर ने जीता। **थियेटर श्रेणी:** डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ओवरऑल विजेता रहा। **फाइन आर्ट्स श्रेणी:** बीएचयू वाराणसी को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया।

अतिथियों ने की आयोजन की सराहना

समारोह के दौरान प्रतिभागियों और दल प्रबंधकों ने आयोजकों के उत्कृष्ट प्रबंधन और सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एसपी उपाध्याय ने दिया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ और गौर गौरव उत्सव विद्यार्थियों और दर्शकों के लिये एक प्रेरक और यादगार अनुभव बन गया।

रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवरऑल (थियेटर) में डॉ. हरिसिंह गौर विवि नंबर वन

सदैव कर्मशील, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि व पक्के इरादे से ही मिलेगी सफलता

ओवरऑल चैम्पियनशिप में देवी अहिल्या विवि को मिली लाखा बंजारा ट्रॉफी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए श्रम करना चाहिए। संघर्ष करने वाले हमेशा जीत हासिल करते हैं, इसलिए संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। सदैव कर्मशील रहिए, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे। यह बात मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे ने कही। मौका था डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव के समापन का। उन्होंने कहा कि जीवन में इच्छा का भी होना बहुत आवश्यक है। तीव्र इच्छा से सामान्य मनुष्य भी असाधारण शक्ति पैदा कर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे विचार रखना चाहिए। अच्छे विचारों से जिंदगी बदलती है। अच्छी आदतें आपका चरित्र निर्माण करती हैं और यही सब मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं। जीवन में सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। गलत सोच से व्यक्ति अपनी आत्मशक्ति खो देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस दौरान एआइयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा मंचासीन थे। प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। युवा उत्सव में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा। युवा महोत्सव की प्रतियोगिताओं में ओवरऑल चैम्पियनशिप की ट्रॉफी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को मिली। अतिथियों द्वारा उन्हें लाखा बंजारा ट्रॉफी प्रदान की गई।

इन ट्रॉफी से नवाजे गए विश्वविद्यालय

- संगीत श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को कृष्णगोपाल श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विट्ठल भाई पटेल ट्रॉफी एवं सेकंड रनर अप रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को शरद तात्या ट्रॉफी प्रदान की गई।
- नाट्य श्रेणी (थिएटर) में ओवरऑल विजेता डॉ. हरिसिंह गौर विवि को श्यामकांत मिश्र ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप देवी अहिल्या विवि और राजा मानसिंह तोमर विवि को दिनेशभाई पटेल ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व एकेएस विवि सतना को महेंद्र मेवाती ट्रॉफी प्रदान की।
- फाइन आर्ट्स श्रेणी में ओवर ऑल विजेता बीएचयू वाराणसी को शिव कुमार श्रीवास्तव ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि मेरठ एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को विवेक दत्त झा ट्रॉफी, सेकंड रनर अप विक्रम विवि उज्जैन व राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि को विवेक दत्त झा ट्रॉफी प्रदान की गई।
- सांस्कृतिक रैली में डॉ. हरिसिंह गौर विवि सागर प्रथम रहा। राजा मान सिंह तोमर विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वितीय और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय भोपाल तृतीय स्थान पर रहे।
- नृत्य श्रेणी में ओवर ऑल विजेता देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर को विष्णु पाठक ट्रॉफी, फर्स्ट रनर अप एकेएस विश्वविद्यालय सतना को प्रेम गुरुजी ट्रॉफी और सेकंड रनर अप डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को चुन्नीलाल रैकवार ट्रॉफी प्रदान की गई।

युवा उत्सव संपन्न ▶ 38वें मध्य क्षेत्र युवा उत्सव में एक हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए

जीवन में हार-जीत लगी रहती, अपना प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश

नवभारत न्यूज

सागर 1 दिसंबर. भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का समापन हुआ.

समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे थे. अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय मंचासीन थे. प्रो. एडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए.

कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है. मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है. हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है. ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है. सभी अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें. सफलता आपके कदम चूमेगी. सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप डॉ. गौर विश्वविद्यालय को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला. थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है. साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा. युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य, समूह नृत्य, फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल, शास्त्रीय वादन एकल, क्लासिकल वोकल सोलो, वेस्टर्न वोकल, लाइट वोकल, पश्चिमी वाद्य यंत्र, एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं.

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है, अपनी प्रतिभा को पहचानें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें: कुलपति

कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि और पक्का इरादा है तो आप जीवन में जरूर सफल होंगे: न्यायाधीश गंगाचरण दुबे

सागर दिनकर

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया गया। युवा उत्सव में 23 विश्वविद्यालयों के कुल 955 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पुरा छात्र और मंदसौर जिले के प्रधान न्यायाधीश गंगाचरण दुबे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान एआईयू पर्यवेक्षक अरुण पाटिल, तकनीकी पर्यवेक्षक दीपक झा, विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. डी. शर्मा मंचासीन थे। प्रो. ए. डी. शर्मा ने स्वागत भाषण दिया. सांस्कृतिक परिषद समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने युवा उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि गंगाचरण दुबे ने स्वामी विवेकानंद के कथन 'उठो, जागो और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो', का सन्दर्भ लेते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए और उसको प्राप्त करने के लिए जी तोड़ श्रम करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सफलता के सूत्र बताये।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि इतने बड़े युवा महोत्सव का आयोजन एक चुनौती थी। लेकिन डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रेरणा से यह आयोजन इतने व्यापक स्वरुप में संभव हो पाया। क्योंकि उनकी प्रेरणा से बड़ी से बड़ी चुनौतियां आसान हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सागर शहर और विश्वविद्यालय का मूल स्वभाव है- अतिथि देवो भव। इस भावना के साथ हमारे सागर शहर के गणमान्य नागरिकों, विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और सभी सदस्यों ने लगातार परिश्रम के साथ कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में हार जीत लगी रहती है लेकिन इस आयोजन के माध्यम से आपने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कलाकृति है और उन्होंने हर एक मनुष्य को अनोखा बनाया है। हर एक व्यक्ति के पास कोई न कोई प्रतिभा है। ये सारी प्रतिभाएं जब मिलती हैं तो एक टीम बनती है।

सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट, ओवर ऑल (थियेटर) में डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय नंबर वन, ओवरऑल चैम्पियन में रहा फर्स्ट रनर अप डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को सांस्कृतिक रैली, फोक आर्केस्ट्रा, स्किट में प्रथम स्थान मिला। थियेटर विधा में ओवर ऑल पहला स्थान मिला है। साथ ही ओवर ऑल चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय फर्स्ट रनर अप रहा।

युवा उत्सव के दौरान पाँच समूहों में समूह नृत्य (भारतीय), समूह नृत्य (पाश्चात्य), फोक ऑर्केस्ट्रा, लोक/आदिवासी नृत्य, शास्त्रीय वादन एकल (पर्क्यूशन), शास्त्रीय वादन एकल (गैर-पर्क्यूशन), क्लासिकल वोकल सोलो (हिंदुस्तानी या कर्नाटक), वेस्टर्न वोकल (सोलो), लाइट वोकल (सोलो), पश्चिमी वाद्य यंत्र (एकल), एकांकी नाटक, वन एक्ट प्ले, क्लासिकल डांस, माइम, मिमिक्री, वाद-विवाद, क्विज़, भाषण, पोस्टर, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, स्पॉट फ़ोटोग्राफ़ी, इंस्टॉलेशन, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, मेहंदी, कोलाज और रंगोली सहित कुल 27 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर
असतो मा सद्गमय

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)